Based on NEP 2020

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

प्रश्नBANK
Bridge of Academic Novelties in Knowledge

BA VI SEM

लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

Dr. Anoop Kumar Singh
Dr. Sonam Singh

KANPUR UNIVERSITY'S

QUESTION BANK

- 400+ MCQs
- Brief and Intensive Notes

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

प्रश्नBANK

Bridge of Academic Novelties in Knowledge

KANPUR UNIVERSITY'S QUESTION BANK

B.A. VI SEM

लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

(A010602T)

400+MCQs

Brief and Intensive Notes

Dr. Anoop Kumar Singh
Department of Hindi, P.P.N.P.G. College, Kanpur
&
Dr. Sonam Singh
Department of Hindi, K.V.M. College, Kanpur

बी0ए0 VI सेमेस्टर विषय हिन्दी
लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति/ A010602T

पाठ्यक्रम

Unit	Topics
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय :** लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण,
II	**लोक साहित्यऔर शिष्ट साहित्य :** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन:** लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य :** लोकोक्तियों, मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्त्व
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम :** हिंदी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियों
VIII	**हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय।** (इस इकाई में सम्बन्धित विश्वविद्यालय / संस्था अपनी सुविधानुसार आंचलिक लोक साहित्य के बारे में अध्ययन कराएंगे)

UNIT - 1

लोक साहित्य का सामान्य परिचय :

लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण,

इकाई 1

लोक साहित्य का सामान्य परिचय

भारतीय वाङ्मय में 'लोक' शब्द का प्रचुरता से प्रयोग मिलता है। कहीं तो यह स्थान विशेष के अर्थ में मिलता है (ऋग्वेद), तो कहीं संसार (इहलोक, परलोक, त्रिलोक आदि) के अर्थ में, शाब्दिक रूप से कहीं द्रष्टा के रूप में तो कहीं जन समुदाय के रूप में, तो कहीं ग्रामीण जनता के रूप में। हर अर्थ के पीछे उसका तार्किक पक्ष है। लोक साहित्य शब्द इसी 'लोक' में 'साहित्य' शब्द के योग से बना है। लोक साहित्य में 'लोक' के अर्थ को परिभाषित करते हुए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी लिखते हैं, "'लोक' शब्द का अर्थ जनपद या ग्राम्य नहीं है, बल्कि नगरों और गांवों में फैली हुई वह समूची जनता है जिनके व्यवहारिक ज्ञान का आधार पोथियाँ नहीं है।"

इस परिभाषा में द्विवेदी जी ने लोक की कुछ महत्वपूर्ण बातों को इंगित किया है,

★ लोक जनपद या ग्राम्य संस्कृति को मानने वाले ग्रामीण ही नहीं हैं अपितु नगरों, गांवों व सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों की जनता भी लोक ही है।

★ समाज की मुख्यधारा, परिष्कृत एवं सुसंस्कृत विद्वज्जन से इतर हाशिये का वर्ग भी लोक का अंग है।

★ इनके ज्ञान का आधार पोथियां नहीं, अपितु उनका अनुभवजनित संसार है।

ऐसे लोक के जीवन का हास-उल्लास, उनके विश्वास, प्रथाएँ, तीज-त्यौहार, रस्म, रीति-रिवाज, परंपराओं आदि की सहज, स्वाभाविक किंतु गीतात्मक, कथात्मक, लयात्मक एवं भावात्मक अभिव्यक्ति जिसके माध्यम से होती है, वह सब लोक साहित्य और लोक संस्कृति के अंतर्गत आते हैं। विशिष्ट बात यह है कि इसमें सभी भूमिकाएँ लोक की होती हैं - स्रष्टा भी वही, द्रष्टा भी वही, श्रोता भी वही, भोक्ता भी वही, कथ्य भी वही और कथाकार भी वही। इस दृष्टि से विचार करने पर डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय की परिभाषा अंशतः सही लगती है, जब वे कहते हैं, " सभ्यता के प्रभाव से दूर रहने वाली अपनी सहज अवस्था में वर्तमान जो निरक्षर जनता है उसकी आशा-निराशा, हर्ष-विषाद, जीवन-मरण, लाभ-हानि, सुख-दु:ख आदि की अभिव्यंजना जिस साहित्य में प्राप्त होती है, उसे लोक साहित्य कहते हैं। इस प्रकार लोक साहित्य जनता का वह साहित्य है जो जनता के द्वारा, जनता के लिए लिखा गया हो।"

अध्ययन की सुविधा हेतु विद्वानों ने लोक साहित्य का वर्गीकरण 6 प्रमुख भागों में किया है-

1. लोकगीत

2. लोककथा
3. लोकगाथा
4. लोकनाट्य
5. लोक नृत्य एवं संगीत
6. लोक सुभाषित (लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ आदि।)

जहाँ तक लोक साहित्य के क्षेत्र की बात है, इसका फलक अत्यंत विराट है। हर क्षेत्र में जहाँ-जहाँ लोक है, वहाँ-वहाँ लोक साहित्य है और जहाँ मानव समाज है, वहाँ किसी न किसी रूप में लोक विद्यमान है। इसीलिए डॉ० धीरेंद्र वर्मा लिखते हैं कि 'लोक साहित्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है जितनी पुरानी मनुष्य जाति।' जन्म से लेकर मृत्यु-पर्यंत तक के सभी प्रमुख संस्कार, सुख-दुःख या वीरत्व के भाव, धार्मिक विश्वास, पूजा-उपासना, रीति-रिवाज, तीज-त्यौहार, ऋतु-परिवर्तन के उल्लास आदि जीवनानुभूति के सभी क्षेत्र लोक साहित्य में समाहित हैं।

MCQs

1. जन संस्कृति का सच्चा तथा सजीव चित्रण किस साहित्य में मिलता है?

(i) शिष्ट साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) पाश्चात्य साहित्य

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

2. ऐसा साहित्य जिसमें व्यक्ति विशेष का चिंतन या विश्लेषण न होकर सामूहिक चेतना, अनुभवों व संवेदनाओं की अभिव्यक्ति रहती है, कहलाता है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) सामान्य साहित्य

(iv) पाश्चात्य साहित्य

उत्तर - (i) लोक साहित्य

3. किस प्रकार के साहित्य का आधार लिखित ना होकर मौखिक होता है ?

(i) पाश्चात्य साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) लोक साहित्य

4. वह साहित्य जो सम्पूर्ण मानव जाति की विरासत है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) प्राचीन साहित्य

(iii) शिष्ट साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक साहित्य

5. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता लोक साहित्य की नहीं है?

(i) लोक साहित्य का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है।

(ii) आदिम जीवन का लोक साहित्य से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।

(iii) ये मौखिक परम्परा का साहित्य है ।

(iv) ये पूर्णत: कृत्रिम होता है ।

उत्तर - (iv) ये पूर्णतः कृत्रिम होता है।

6. 'लोक साहित्य का रचनाकार कोई व्यक्ति विशेष नहीं होता है' यह कथन है ?

(i) पूर्णत: सत्य है।

(ii) आंशिक सत्य है ।

(iii) अल्प सत्य है ।

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) पूर्णतः सत्य है।

7. निम्नलिखित में से लोकगीत का उदाहरण नहीं है?

(i) संस्कार गीत

(ii) श्रम गीत

(iii) ऋतु गीत

(iv) हाइकू

उत्तर - (iv) हाइकू

8. निम्नलिखित में से लोकनाटक का उदाहरण नहीं है?

(i) दंतकथा

(ii) रामलीला

(iii) यक्षगान

(iv) कथकली

उत्तर - (i) दंतकथा

9. जनता का वह साहित्य जो जनता द्वारा जनता के लिए लिखा गया हो, कहा जाता है?

(i) लिखित साहित्य

(ii) संस्कृत साहित्य

(iii) लौकिक साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

10. आधुनिक सभ्यता से दूर, अपने प्राकृतिक परिवेश में निवास करने वाली 'जनता' को कहते है?

(i) लोक

(ii) राजसी

(iii) सामान्य

(iv) विशिष्ट

उत्तर - (i) लोक

11. किस प्रकार के साहित्य में जनजीवन की सभी प्रकार की भावनाएँ बिना किसी कृत्रिमता के समाई रहती है ?

(i) पाश्चात्य साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) नवीन साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

12. आदिकाल से श्रुति एवं स्मृति के सहारे जीवित रहने वाले साहित्य को कहते है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) अपभ्रंश साहित्य

(iii) देशी साहित्य

(iv) शिष्ट साहित्य

उत्तर - (i) लोक साहित्य

13. कौन सा साहित्य अनेक रूपों में होते हुए भी अनेकता में एकता की भावना से युक्त होता है ?

(i) अपभ्रंश साहित्य

(ii) देशी साहित्य

(iii) शिष्ट साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

14. "लोक शब्द का अर्थ जनपद या ग्राम्य नहीं है, बल्कि नगरों और गाँव में फैली हुई वह समस्त जनता है, जिसके व्यवहारिक ज्ञान का आधार पोथियाँ नहीं हैं।" उपर्युक्त परिभाषा किसने दी है ?

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) धीरेन्द्र वर्मा

(iii) डॉ. सत्येंद्र

(iv) कृष्णदेव उपाध्याय

उत्तर - (i) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

15. जनसामान्य के जीवन अनुभवों की अभिव्यक्ति करने वाला साहित्य कहलाता है?

(i) विशिष्ट साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) अपभ्रंश साहित्य

(iv)शिष्ट साहित्य

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

16. ऐसा साहित्य जिसे लोक संस्कृति का दर्पण भी कहा जाता है ?

(i) कथा साहित्य

(ii) लिपिबद्ध साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) शिष्ट साहित्य

उत्तर - (iii) लोक साहित्य

17. लोक साहित्य का क्षेत्र है ?

(i) संकुचित

(ii) व्यापक

(iii) सीमित

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) व्यापक

18. 'जहाँ-जहाँ लोक है, वहीं-वहीं लोक साहित्य भी उपलब्ध होता है।' यह कथन है?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) आंशिक असत्य

उत्तर - (i) सत्य

19. साधारण जनता जिन शब्दों में गाती है, रोटी है, हँसती है, खेलती है ...उन सबको किस साहित्य के अन्तर्गत रखा जा सकता है ?

(i) कथा साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) संस्कृत साहित्य

(iv) अपभ्रंश साहित्य

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

20. किस साहित्य में लोक मानस का जीवन प्रतिबिंब रहता है ?

(i) संस्कृत साहित्य में

(ii) लोक साहित्य में

(iii) शिष्ट साहित्य में

(iv) अपभ्रंश साहित्य में

उत्तर - (ii) लोक साहित्य में

21. अंग्रेजी शब्द 'फोक लिटरेचर' का हिन्दी अनुवाद होगा ?

(i) लोकगीत

(ii) लोककथा

(iii)लोकनाट्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

22. 'लोक साहित्य, लोक मानस की सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।' यह कथन है ?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) पूर्ण असत्य

उत्तर - (i) सत्य

23. कौन सा साहित्य उतना ही प्राचीन है जितना कि मानव ?

(i) संस्कृत साहित्य

(ii) देशी साहित्य

(iii) अंग्रेजी साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

24. किस प्रकार के जीवन का लोक साहित्य से घनिष्ठ सम्बंध है?

(i) आदिम जीवन

(ii) सुसंस्कृत जीवन

(iii) सभ्य जीवन

(iv) नवीन जीवन

उत्तर - (i) आदिम जीवन

25. लोक चेतना का साहित्य है ?

(i) देशी साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) संस्कृत साहित्य

(iv) अपभ्रंश साहित्य

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

26. लोकाचार के लिए रचित साहित्य है ?

(i) सामान्य साहित्य

(ii) संस्कृत साहित्य

(iii) विशिष्ट साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

27. किस साहित्य के अन्तर्गत ऋतु विद्या , स्वास्थ्य विज्ञान तथा कृषि विज्ञान आदि से सम्बद्ध साहित्य आता है ?

(i) लोक साहित्य में

(ii) संस्कृत साहित्य में

(iii) पाश्चात्य साहित्य में

(iv) विशेष साहित्य में

उत्तर - (i) लोक साहित्य में

28. लोक साहित्य निर्मित होता है ?

(i) एकान्त में

(ii) भीड़ में

(iii) जनसमूह में

(iv) सभा में

उत्तर - (iii) जनसमूह में

29. किस साहित्य की पृष्ठभूमि विशिष्ट साहित्य की रचना स्थली से बिलकुल भिन्न होती है ?

(i) विशेष साहित्य की

(ii) लोक साहित्य की

(iii) संस्कृत साहित्य की

(iv) विदेशी साहित्य की

उत्तर - (ii) लोक साहित्य की

30. लोक साहित्य की भाषा होती है ?

(i) शिष्ट भाषा

(ii) साहित्यिक भाषा

(iii) परिनिष्ठित भाषा

(iv) साधारण जन की भाषा

उत्तर - (iv) साधारण जन की भाषा

31. लोक साहित्य देन है ?

(i) कवियों की

(ii) लेखकों की

(iii) विशिष्ट जनों की

(iv) लोक सामान्य की

उत्तर - (iv) लोक सामान्य की

32. कौन सा साहित्य लोक परम्परा का वाहक होता है ?

(i) अपभ्रंश साहित्य

(ii) प्राकृत साहित्य

(iii) देशी साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

33. एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरित होने वाला साहित्य कौन सा है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) सामान्य साहित्य

(iii) विशिष्ट साहित्य

(iv) संस्कृत साहित्य

उत्तर - (i) लोक साहित्य

34. जन सामान्य की प्राचीन संस्कृति, मान्यताओं एवं परम्पराओं में पूर्ण विश्वास की अभिव्यक्ति करने वाला साहित्य कौन सा है ?

(i) संस्कृत साहित्य

(ii) अपभ्रंश साहित्य

(iii) नवीन साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

35. 'यदि किसी देश की संस्कृति का अध्ययन करना है ,तो पहले लोक साहित्य का अध्ययन करना होगा' यह कथन है ?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) आंशिक असत्य

उत्तर - (i) सत्य

36. लोक संस्कृति का अभिन्न अंग है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) आलंकारिकता

(iii) आनुप्रासिकता

(iv) कृत्रिमता

उत्तर - (i) लोक साहित्य

37. लोक साहित्य की विशेषता है ?

(i) अलंकार प्रियता

(ii) कृत्रिमता

(iii) सजावट

(iv) सरलता व सहजता

उत्तर - (iv) सरलता व सहजता

38. विद्वानों द्वारा किस साहित्य को अपौरुषेय कहा गया है?

(i) शिष्ट साहित्य को

(ii) प्रौढ़ साहित्य को

(iii) पूर्ण साहित्य को

(iv) लोक साहित्य को

उत्तर - (iv) लोक साहित्य को

39. जनता के व्यापक जनसमूह की सभी मौलिक सर्जनाओं का परिणाम है ?

(i) धार्मिक साहित्य

(ii) बौद्धिक साहित्य

(iii) संस्कृत साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

40. लोक द्वारा सृजित और लोक द्वारा प्रयुक्त गीत कहलाते है ?

(i) संस्कार गीत

(ii) पर्वगीत

(iii) जातीय गीत

(iv) लोक गीत

उत्तर - (iv) लोक गीत

41. अंग्रेजी शब्द 'फोक सांग्स' का हिन्दी रूपांतर होगा ?

(i) लोक साहित्य

(ii) जन साहित्य

(iii) लोकगीत

(iv) विशेष गीत

उत्तर - (iii) लोकगीत

42. 'लोकगीत मौखिक परम्परा से पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरित होते है' यह कथन है ?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) अर्द्धसत्य

(iv) अर्द्धअसत्य

उत्तर - (i) सत्य

43. कौन से गीतों में मानवीय मूल्यों का समावेश अपनी संपूर्णता में होता है ?

(i) जातीय गीत

(ii) पर्वगीत

(iii) पेशा गीत

(iv) लोकगीत

उत्तर - (iv) लोकगीत

44. लोकगीत किसी समाज विशेष का दर्पण होते है' क्योंकि -

(i) लोकगीतों में वहाँ का समाज प्रतिबिंबित होता है।

(ii) लोकगीत समाज से पृथक होते है ।

(iii) लोकगीतों का समाज से कोई सरोकार नहीं होता।

(iv) लोकगीत समाज से परे होते है ।

उत्तर - (i) लोकगीतों में वहाँ का समाज प्रतिबिंबित होता है।

45. 'संस्कार गीत' किन गीतों का प्रकार है?

(i) व्रत गीतों का

(ii) लोकगीतों का

(iii) जाति गीतों का

(iv) ऋतु गीतों का

उत्तर - (ii) लोकगीतों का

46.' फाग' लोकगीत किस अवसर पर गाया जाता है ?

(i) होली पर

(ii) दिवाली पर

(iii) वर्षा ऋतु में

(iv) वसंत ऋतु में

उत्तर - (i) होली पर

47. निम्नलिखित में से कौन लोक साहित्य का अंग नहीं है?

(i) लोकगीत

(ii) शास्त्रीय संगीत

(iii) लोककथा

(iv) लोकगाथा

उत्तर - (ii) शास्त्रीय संगीत

48. लोक की कृति जब नाटक के रूप में किसी कथावृत को प्रस्तुत करती है तो उसे कहते है?

(i) लोकगाथा

(ii) लोकगीत

(iii) लोकनाटक

(iv) लोककविता

उत्तर - (iii) लोकनाटक

49. 'नौटंकी' क्या है ?

(i) लोकगीत

(ii) लोकनाटक

(iii) लोकगाथा

(iv) लोककथा

उत्तर - (ii) लोकनाटक

50. 'तमाशा' क्या है ?

(i) लोककथा

(ii) लोकगाथा

(iii) लोकगीत

(iv) लोकनाटक

उत्तर - (iv) लोकनाटक

UNIT - 2

लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य :
लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का

इकाई 2 लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य

साहित्य की विकास-यात्रा दो रूपों में आगे बढ़ती रही-मौखिक और लिखित। इनसे ही साहित्य के दो प्रकार प्रचलित हुए- लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य। प्रारंभ में शास्त्रीय, वैदिक और लौकिक सभी प्रकार के साहित्य मौखिक अर्थात् श्रुति एवं वाचिक परंपरा के माध्यम से अनवरत बढ़ते रहे। किंतु लिपियों के विकास के बाद सभ्य और सुसंस्कृत समाज में साहित्य के लिखित रूप का प्रचलन अधिक लोकप्रिय हुआ। लोक साहित्य के अंतर्गत यही मौखिक परंपरा आती है। यद्यपि कालांतर में इसके कलेवर में भी परिवर्तन हुआ और अब यह लिखित एवं वाचिक दोनों रूपों में उपलब्ध होता है। लिखित साहित्य स्व-निर्मित अनुशासन से युक्त, रीतिबद्ध और शास्त्रसम्मत होता है जो प्रायः किसी अभिजात्य या शिष्ट व्यक्ति द्वारा व्यक्तिगत रूप से ग्रंथों के रूप में लिखा गया साहित्य होता है।

लोक साहित्य का सर्जन सामूहिक होता है। और इसमें शिष्ट साहित्य की भाँति चेतन मानस नहीं अपितु आदिम मानस या लोक मानस की प्रधानता होती है। लोक साहित्य को 'प्राकृत शैली' का साहित्य अर्थात लोक-बुद्धि में सहज ही समा जाने वाला साहित्य माना जाता है जबकि व्याकरण-शुद्धता एवं नियमबद्धता से युक्त शिष्ट साहित्य को 'सुसंस्कृत साहित्य' या शिष्ट लोगों के समझने योग्य साहित्य माना जाता है। भिन्न-भिन्न व्यक्तियों द्वारा रचे जाने के कारण इनके कलेवर और शैली में भी पर्याप्त अंतर मिलता है। प्रायः व्यक्ति विशेष की कृति होने के कारण शिष्ट साहित्य में व्यक्ति-दृष्टि या वैयक्तिक मान्यता का प्रभाव होता है, जबकि लोक साहित्य में लोकमत या समाज-मत को देखने की दृष्टि होती है और यह दृष्टि भी काल सापेक्ष होती है।

पर्याप्त भिन्नताओं के बावजूद भी लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य एक-दूसरे के पूरक हैं और प्रेरक भी। शिष्ट साहित्य का सर्जना-स्रोत लोक साहित्य ही है। लोक जीवनानुभूतियों का क्षेत्र भी कुछ अपवादों को छोड़कर दोनों में लगभग समान हैं। लोक का प्रकीर्ण साहित्य- लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, लोरियाँ, कथा को गति देने में सहायक लोक-रूढ़ियाँ आदि सभी जो शिष्ट साहित्य का अंग हैं उनका उद्गम-स्थल लोक साहित्य ही है। लोक साहित्य ने ही शिष्ट साहित्य को पृष्ठभूमि दी है। शिष्ट साहित्य की बारहमासा परंपरा लोक साहित्य की ही देन है। यहाँ तक कि आचार्य शुक्ल साहित्य को जनता की चित्तवृत्तियों का संचित प्रतिबिंब मानते हैं, वे चित्तवृत्तियाँ लोक चित्तवृत्तियाँ ही तो हैं, जिनकी अभिव्यक्ति लोक साहित्य में भी प्रचुरता से हुई है, चाहे वह युद्धों और वीरता के गान के रूप में हो, भक्ति के गान के रूप में हो या राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना से युक्त राष्ट्रभावना को जागृत करने वाला लोकगीत,

लोककथा या लोकगाथा के रूप में हो, अथवा देश व समाज के समसामयिक मुद्दों को चैती, कजरी आदि के माध्यम से स्वर देता लोकगान हो। यही नहीं, जाति, धर्म, अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियाँ आदि समाज के अंतर्विरोध एवं अंतर्संघर्ष शिष्ट साहित्य से अधिक स्पष्ट और मुखरित रूप में लोक साहित्य में चित्रित होते हैं।

MCQs

1.लोक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) परिनिष्ठित साहित्य

(iv) लिखित साहित्य

उत्तर- (i) लोक साहित्य

2 .कौन सा साहित्य निश्चित रूप से लिखित होता है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) दोनों

(iv) (iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ii) शिष्ट साहित्य

3.कौन सा साहित्य विशिष्ट व्यक्ति की रचना नहीं होता?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii)दोनों

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

4. किस साहित्य ने शिष्ट साहित्य को पृष्ठभूमि दी है ?

(i)लोक साहित्य ने

(ii) संस्कृत साहित्य ने

(iii)परिनिष्ठित साहित्य ने

(iv)लिखित साहित्य ने

उत्तर - (i) लोक साहित्य ने

5.शिष्ट साहित्य के मूल में होता है ?

(i) लिखित साहित्य

(ii)संस्कृत साहित्य

(iii) परिनिष्ठित साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

6. शिष्ट भाषा को शब्द भण्डार के लिए किस भाषा की सहायता लेनी पड़ती है ?

(i)लोक भाषा की

(ii)संस्कृत भाषा की

(iii)प्राकृत भाषा की

(iv) पालि भाषा की

उत्तर - (i) लोक भाषा की

7.'साहित्य' शब्द के पूर्व 'लोक' अभिधान लगाने के बाद उसका अर्थ होगा ?

(i) साहित्य लोक

(ii)लोक का साहित्य

(iii) अपूर्ण साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) लोक का साहित्य

8. जन - समूह की भावनाओं की सामूहिक अभिव्यक्ति कौन सा साहित्य है ?

(i)लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) परिनिष्ठित साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - लोक साहित्य

9. 'लोक - साहित्य का कोई शास्त्र नहीं होता' यह कथन है ?

(i)सत्य

(ii)असत्य

(iii)आंशिक सत्य

(iv) पूर्ण असत्य

उत्तर - (i)सत्य

10. सहज , सरल , अकृत्रिम तथा स्वत: स्फूर्त होने वाला साहित्य कौन सा है ?

(i) शिष्ट साहित्य

(ii)संस्कृत साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) परिनिष्ठित साहित्य

उत्तर - (iii)लोक साहित्य

11. शिष्ट साहित्य का कलेवर होता है ?

(i)लिखित

(ii) मौखिक

(iii)चित्रात्मक

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लिखित

12. लोक साहित्य से संबद्ध विषय है ?

(i)उपन्यास

(ii) काव्य

(iii) कविता

(iv)लोककथा

उत्तर - (iv) लोककथा

13.वर्तमान समय में किस साहित्य को लिपिबद्ध किया जाने का प्रयास हो रहा है?

(i)लोक साहित्य को

(ii) शिष्ट साहित्य को

(iii)परिनिष्ठित साहित्य को

(iv)संस्कृत साहित्य को

उत्तर - (i) लोक साहित्य को

15.वह वर्ग जो स्वनिर्मित अनुशासन के बंधन से बंधा रहता है?

(i)आभिजात्य वर्ग

(ii)लोक वर्ग

(iii)जन वर्ग

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) अभिजात्य वर्ग

14 .मानव समाज में एक वर्ग अपने आचार , विचार , संस्कार और औपचारिक बंधनों के कारण , सामान्य जन से अलग होता है, उसे किस नाम से सम्बोधित करते है?

(i) लोक

(ii) आभिजात्य वर्ग

(iii) जनता

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) आभिजात्य वर्ग

16. किस वर्ग का साहित्य शास्त्र सम्मत होता है ?

(i) शिष्ट वर्ग का

(ii) लोक का

(iii) दोनों का

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) शिष्ट वर्ग का

17.नैसर्गिक भावों से रस - सिक्त साहित्य कहलाता है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)परिनिष्ठित साहित्य

(iii)लोक साहित्य

(iv)उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iii) लोक साहित्य

18. शास्त्रीय नियमों से रहित होता है ?

(i)लोक साहित्य

(ii)शिष्ट साहित्य

(iii)परिनिष्ठित साहित्य

(iv)लिखित साहित्य

उत्तर - (i)लोक साहित्य

19. 'लोक साहित्य का तर्क एवं नियमों के बंधन से कोई सम्बंध नहीं होता' यह कथन है ?

(i)असत्य

(ii)सत्य

(iii)अर्द्धसत्य

(iv)आंशिक सत्य

उत्तर - (ii) सत्य

20. निम्नलिखित में से कौन सा साहित्य उपार्जित अवचेतन मानस की अभिव्यक्ति है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)लोक साहित्य

(iii)ग्रामीण साहित्य

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) शिष्ट साहित्य

22. किस साहित्य के रचयिता का नाम ज्ञात होता है ?

(i)लोक साहित्य के

(ii)मौखिक साहित्य के

(iii)शिष्ट साहित्य के

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii)शिष्ट साहित्य के

21. लोक साहित्य किस साहित्य से भिन्नता रखता है ?

(i)शिष्ट साहित्य से

(ii)मौखिक साहित्य से

(iii)दोनों से

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) शिष्ट साहित्य से

23. किस प्रकार के साहित्य में मौखिक परम्परा का कोई स्थान नहीं होता ?

(i)शिष्ट साहित्य में

(ii)लोक साहित्य में

(iii)दोनों में

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)शिष्ट साहित्य में

24.किस साहित्य की भाषा सुसंस्कृत, परिनिष्ठित तथा व्याकरण के नियमों से आबद्ध होती है ?

(i)शिष्ट साहित्य की

(ii)लोक साहित्य की

(iii)ग्रामीण साहित्य की

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)शिष्ट साहित्य की

25.किस साहित्य में लोक जीवन की आंचलिक अनुभूतियों की प्रमुखता रहती है ?

(i)लोक साहित्य में

(ii)शिष्ट साहित्य में

(iii)परिनिष्ठित साहित्य में

(iv)संस्कृत साहित्य में

उत्तर - (i)लोक साहित्य में

26. सुसंस्कृत शैली में लिखा गया साहित्य कहलायेगा ?

(i)लोक साहित्य

(ii)ग्रामीण साहित्य

(iii)शिष्ट साहित्य

(iv)मौखिक साहित्य

उत्तर- (iii)शिष्ट साहित्य

27.ज्ञानार्जन की परम्परा से गुजरने वाला साहित्य है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii)मौखिक साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(i)शिष्ट साहित्य

28. 'शिष्ट साहित्य' की भाषा का रूप होता है ?

(i)अनगढ़

(ii)सहज

(iii)अत्यन्त सरल

(iv)सुसंस्कृत

उत्तर - (iv)सुसंस्कृत

29 - 'लोक साहित्य' की भाषा का रूप होता है ?

(i)अकृत्रिम

(ii)कृत्रिम

(iii) सुसंस्कृत

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)अकृत्रिम

30. समाज का वह वर्ग जो शास्त्रीयता , पांडित्य की चेतना तथा अहंकार से शून्य होता है, क्या कहलाता है ?

(i)शिष्ट

(ii)पण्डित

(iii)लोक

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii)लोक

31.नागरी प्रचारिणी सभा ने हिन्दी साहित्य इतिहास के सोहलवें खंड में किस साहित्य को स्थान दिया है ?

(i)लोक साहित्य को

(ii)शिष्ट साहित्य को

(iii)संस्कृत साहित्य को

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(i)लोक साहित्य को

32.'लोक भाषा' क्या है ?

(i)शिष्ट समाज की भाषा

(ii)कवियों की भाषा

(iii)लोक की भाषा

(iv)पण्डितों की भाषा

उत्तर - (iii)लोक की भाषा

33.किस साहित्य की प्रकृति परिवर्तनशील होती है ?

(i)लोक साहित्य की

(ii)शिष्ट साहित्य की

(iii)दोनों की

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)लोक साहित्य की

34.लोक संवेदनाओं को वाणी देता है ?

(i) शिष्ट साहित्य

(ii)लोक साहित्य

(iii)परिनिष्ठित साहित्य

(iv)संस्कृत साहित्य

उत्तर - (ii)लोक साहित्य

36. सहज अवचेतन मानस की अभिव्यक्ति है ?

(i)लोक साहित्य

(ii)शिष्ट साहित्य

(iii)संस्कृत साहित्य

(iv)उपर्युक्त सभी

उत्तर - (i)लोक साहित्य

35.कौन सा साहित्य लिपिबद्ध व रचित होता है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)लोक साहित्य

(iii)मौखिक साहित्य

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)शिष्ट साहित्य

37. 'सूर , तुलसी , कबीर , विद्यापति आदि कवियों का साहित्य लोक तत्व से पूर्ण है।' यह कथन है ?

(i)असत्य

(ii)सत्य

(iii)अज्ञात

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii)सत्य

38. जिस साहित्य में लोक तत्व कम या बिलकुल नहीं होता, वह कहलाता है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)लोक साहित्य

(iii)ग्रामीण साहित्य

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)शिष्ट साहित्य

39.शिष्ट समाज की जीवन पद्धति किस साहित्य में प्रतिबिंबित होती है ?

(i)शिष्ट साहित्य में

(ii)लोक साहित्य में

(iii)ग्रामीण साहित्य में

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(i)शिष्ट साहित्य में

40. कथ्य और शिल्प दोनों दृष्टियों से लोकसाहित्य से भिन्न होता है ?

(i) जन साहित्य

(ii)शिष्ट साहित्य

(iii)ग्रामीण साहित्य

(iv)उपर्युक्त सभी

उत्तर - (ii)शिष्ट साहित्य

41.'शास्त्रीय संगीत' का विकास किस प्रकार की धुनों पर आधारित है?

(i)लोक धुनों पर

(ii)शास्त्रीय धुनों पर

(iii)दोनों पर

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक धुनों पर

42.'संत साहित्य की लोकप्रियता का मुख्य कारण उनकी रचनाओं में लोक तत्व की प्रधानता है' यह कथन है ?

(i)सत्य

(ii)असत्य

(iii)आंशिक असत्य

(iv) पूर्ण असत्य

उत्तर - (i)सत्य

43. सरलता से बुद्धि में समाहित होने वाला साहित्य है ?

(i)संस्कृत साहित्य

(ii)शिष्ट साहित्य

(iii)लोक साहित्य

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(iii)लोक साहित्य

44.लोक जीवन की आंचलिकता किस साहित्य में पायी जाती है ?

(i)लोक साहित्य में

(ii)संस्कृत साहित्य में

(iii)दोनों में

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर -(i)लोक साहित्य में

45.कौन सा साहित्य अभिजात्य वर्ग में पर्याप्त सम्मान नहीं पा सका?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)परिनिष्ठित साहित्य

(iii)लोक साहित्य

(iv)संस्कृत साहित्य

उत्तर -(iii)लोक साहित्य

46. शिष्ट साहित्य व लोक साहित्य अलग होते हुए भी _____?

(i)एक दूसरे के पूरक है।

(ii)विरोधी है ।

(iii)दोनों है ।

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i)एक दूसरे के पूरक है ।

47. कोई साहित्य शिष्ट साहित्य के रूप में क्यों जाना जाता है?

(i)अपनी नियमबद्धता के कारण

(ii)नियमों से रहित होने के कारण

(iii) व्याकरण से रहित होने के कारण

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(i)अपनी नियमबद्धता के कारण

48. किस साहित्य का न कोई शास्त्र होता है न ही कोई पूर्व मानदण्ड ?

(i)लोक साहित्य का

(ii)शिष्ट साहित्य का

(iii)दोनों का

(iv)इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(i)लोक साहित्य का

49. लोक साहित्य को प्रेरणा मिलती है ?

(i)शिष्ट साहित्य से

(ii)संस्कृत साहित्य से

(iii)जीवन के यथार्थ अनुभवों से

(iv) परिनिष्ठित साहित्य से

उत्तर-(iii)जीवन के यथार्थ अनुभवों से

50. 'काव्यं यशसे अर्थकृते व्यवहारविदे .....आचार्य मम्मट की यह उक्ति किस साहित्य के विषय में है ?

(i)शिष्ट साहित्य

(ii)लोक साहित्य

(ii)ग्रामीण साहित्य

(iii)उपर्युक्त सभी

उत्तर-(i)शिष्ट साहित्य

UNIT - 3

लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता

इकाई 3 लोक साहित्य, लोक-संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता

लोक साहित्य और लोक संस्कृति दोनों एक दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि इन दोनों में से सिर्फ किसी एक का अध्ययन कर न तो हम लोक साहित्य को समझ सकते हैं और न ही लोक संस्कृति को। किसी भी राष्ट्र, समाज या जाति की सामाजिक-आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक या बौद्धिक उन्नति के अध्ययन के लिए लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अध्ययन आवश्यक है। लोक साहित्य में काव्य, गीत, कथा, कला, संस्कृति, धर्म, दर्शन, आचार-व्यवहार, संस्कार, धार्मिक-आस्था, लोक विश्वास, कर्मकाण्ड, तीज-त्यौहार, लोक परंपराएँ, मुहूर्त या शुभाशुभ-विचार आदि सभी कुछ एक साथ विद्यमान हैं। जो किसी राष्ट्र के लोगों की आदिकाल से लेकर वर्तमान तक की सभी प्रवृत्तियों, उनके आचरण और सामाजिक जीवन का बोध कराते हैं। लोक-संस्कृति भी उपर्युक्त वर्णित लोक चेतना की ही उपज है। इस संदर्भ में डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल लिखते हैं,

"लोक जीवन से संबद्ध धार्मिक विश्वास, अचार-विचार एवं समस्त अनुष्ठान लोक संस्कृति में ही समाहित हैं। 'लोक' समाज विशेष है और उसकी चेतना 'लोक संस्कृति।' "

लोक जीवन की इस चेतना की अभिव्यक्ति, समाज की मान्यताएं, गीत, गाथा, किस्से-कहानियाँ, लोरियाँ, कहावतें, मुहावरे आदि सभी का परिचय हमें लोक साहित्य के द्वारा ही तो मिलता है। इसीलिए लोक साहित्य को लोक संस्कृति के सभी पक्षों का दर्पण भी माना जाता है।

लोक संस्कृति के अंतर्गत कुछ प्रमुख उपादानों को शामिल किया जा सकता है-

★ लोक जीवन पद्धति- वेशभूषा, रहन-सहन, खान-पान, खेल-तमाशा मेले, लोक व्यवसाय एवं दिनचर्या आदि से संबंधित।

★ लोकमान्यताएं एवं रीति-रिवाज - लोक परंपराएं, तीज-त्यौहार, प्रथाएँ, देवी-देवताओं से संबंधित लोक विश्वास, जादू-टोना, शकुन-अपशकुन, अंधविश्वास आदि।

★ लोक साहित्य एवं लोककला - लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य, लोक संगीत, लोककला, कढ़ाई-बुनाई, चित्रकारी, मूर्तिकारी आदि।

★ लोकभाषा- लोकोक्तियाँ, मुहावरे, सूक्तियाँ, हास्य-व्यंग्य, लोक चिंतन-मनन, लोक उपमान आदि।

★ लोक परिवेश - ग्राम्य-वातावरण, कृषक-संस्कृति, खेत-खलिहान, उपचार-विधि एवं औषधियाँ, जीव-जंतु, पशु-पक्षी, वनस्पति आदि।

लोक संस्कृति के इन विविध उपादानों का राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है - देश के विभिन्न राज्यों के

व्यक्तियों की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तथा भाषा विषयक भिन्नताओं को वांछनीय सीमा के अंतर्गत रखना और उनमें भारत की एकता का समावेशन करना। लोक साहित्य, लोककला, लोकगीत-संगीत आदि का आदान-प्रदान भारतीयों के मध्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता स्थापित करने का प्रमुख माध्यम है। हमारी लोकसंस्कृति हमें विश्व बंधुत्व की प्रेरणा, सहिष्णुता की भावना और शांति का संदेश देती है। लोक मानस की सांस्कृतिक दृष्टि और लोकमंगल की कामना से प्रेरित भावाभिव्यक्तियों का उदाहरण है- दीपक बढ़ाना (दीपक बुझाने के अर्थ में), 'जाता हूँ' के स्थान पर 'आता हूँ' कहना, दुकान बढ़ाना (दुकान बंद करने के अर्थ में) आदि ऐसी ही अनेक उक्तियाँ। राष्ट्र को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम हमारे तीज त्योहार, लोक विश्वास एवं लोक मान्यताएँ, व्रत, उत्सव, मेले, धार्मिक अनुष्ठान आदि हैं। भारतीय समाज के हर क्षेत्र में खानपान, भाषा, पहनावे, मान्यताएं और रीति-रिवाज से संबंधित अनेक विविधताएं भरी पड़ी हैं। किंतु सभी विविधताओं के मध्य भी तीज-त्योहार, पर्व, बोलचाल, भाषा, लोककला एवं लोक-साहित्य या लोकविश्वास उनमें एक आंतरिक एकात्मकता पैदा करते हैं जो राष्ट्र के लोगों को एकसाथ जोड़ने का काम करती है। लोक कथाओं का यह अन्त कि- "जैसे अमुक व्यक्ति का कल्याण हुआ, वैसे ही संसार के सभी लोगों का मंगल हो।" - लोक कल्याण की भावना का और विश्व बंधुत्व की भावना का ही तो द्योतक है।

MCQs

1. मनुष्यता के विकास में संस्कृति किन प्रवृत्तियों से युक्त होकर चलती है -

(i) मूल परंपरा के मर्म को सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति

(ii) परंपरा में संशोधन-संवर्धन की प्रवृत्ति।

(iii) लोक द्वारा विरोधी प्रवृत्तियों के समन्वय की प्रक्रिया

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर – (iv) उपर्युक्त सभी।

2. लोक-संस्कृति की उत्पत्ति किससे होती है-

(i) राज मानस

(ii) नगरीय मानस

(iii) चेतन मानस

(iv) लोक मानस

उत्तर - (iv) लोक मानस

3. लोक - संस्कृति को लोकप्रिय और जीवंत रूप कहना चाहिए। यह कथन किसका है–

(i)ओमप्रकाश सेठी

(ii)डॉ०वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii)डॉ०रामानंद तिवारी

(iv)श्रीरामनाथ सुमन

उत्तर-(iii)डॉ०रामानंद तिवारी

4. "शुद्धि, सुधार, परिष्कार, निर्माण, सजावट, आचरण, परंपरा आदि को संस्कृति कहतेहैं।"यहकथनकिसकाहै-

(i)बाबू गुलाबराय

(ii)ओमप्रकाश सेठी

(iii)रामानंद तिवारी

(iv)मुकुंदी लाल

उत्तर-(iv)मुकुंदी लाल।

5.'संस्कृति' शब्द किस से जुड़ी हुई है ?

(i)मानव जीवन से

(ii)लोक जीवन से

(iii)साहित्यिक जीवन से

(iv)सामान्य जीवन से

उत्तर–(i)मानव जीवन से।

6. धर्म, दर्शन, कला, साहित्य, विज्ञान और रीति-रिवाज आदि का समन्वित रूप है-

(i) सभ्यता

(ii) संस्कृति

(iii) लोक व्यवहार

(iv) विचार

उत्तर - (ii) संस्कृति।

7. "जन-संस्कृति का जैसा सच्चा तथा सजीव चित्रण इसमें उपलब्ध होता है, वैसा अन्यत्र नहीं।" डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय का यह कथन किससे संबंध है-

(i) अलौकिक साहित्य से

(ii) शिष्ट साहित्य से

(iii) लोक साहित्य से

(iv) नगरीय जीवन से

उत्तर - (iv) लोक साहित्य से।

8. लोक-संस्कृति के अंग है-

(i) लोक-मान्यताएँ (प्रथाएं, परंपराएं, अंधविश्वास आदि)

(ii) रीति-रिवाज (लोक-व्यवहार, रहन-सहन, खान-पान, तीज-त्यौहार आदि)

(iii) लोक साहित्य (लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाटक, लोकोक्तियां, मुहावरे आदि)

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

9. लोक संस्कृति के सभी अंगों की झलक मिलती है-

(i) लोक साहित्य में

(ii) विज्ञान में

(iii) लोक-नाट्य में

(iv) लिखित साहित्य में

उत्तर- (i) लोक साहित्य में।

10. लोक साहित्य जीवन का -

(i) दरिया है।

(ii) बावड़ी है।

(iii) समुद्र है।

(iv) नदी है।

उत्तर - (iii) समुद्र है।

11. "आधुनिक साहित्य की नवीन प्रवृत्तियों में लोक का प्रयोग गीत, वार्ता, कथा, संगीत, साहित्य आदि से युक्त होकर साधारण जन-समाज, जिसमें पूर्व परंपराएँ, भावनाएँ, विश्वास और आदर्श सुरक्षित हैं तथा जिसमें भाषा और साहित्यगत सामग्री ही नहीं, अपितु अनेक विषयों के अनगढ़, किंतु ठोस रत्न छिपे हैं, के अर्थ में होता है।" लोक साहित्य की यह परिभाषा-

(i) पूर्णतः सत्य है।

(ii) अंशतः सत्य है।

(iii) पूर्णतः असत्य है।

(iv) अंशतः असत्य है।

उत्तर - (iv) पूर्णतः सत्य है।

12. 'राष्ट्रीय एकता का अर्थ है - देश के विभिन्न राज्यों के व्यक्तियों की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तथा भाषा विषयक भिन्नताओं को वांछनीय सीमा के अंतर्गत रखना और उनमें भारत की एकता का समावेशन करना।'- यह कथन है-

(i) सही

(ii) अंशतः सही

(iii) गलत

(iv) कह नहीं सकते।

उत्तर - (i) सही

13. लोक साहित्य में प्रधानता होती है-

(i) लोक भाषा की

(ii) ग्रामीण शब्दों की

(iii) अलंकारों की

(iv) (i) और (ii) दोनों की।

उत्तर - (iv) (i) और (ii) दोनों की।

14. 'लोक' शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ है-

(i) स्थान

(ii) जानने वाला

(iii) देखने वाला

(iv) अपरिचित

उत्तर - (iii) देखने वाला

15. लोक संस्कृति में महत्ता है-

(i) धार्मिक विश्वासों की

(ii) पूजा-उपासना पद्धतियों की

(iii) धर्म की

(iv) उपर्युक्त सभी की।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी की।

16. लोक-संस्कृति के अन्तर्गत चौक-पूरना अंग है -

(i) लोककथा का

(ii) लोककला का

(iii) लोकगाथा का

(iv) लोक साहित्य का

उत्तर -(ii) लोककला का

17. भारतीय नागरिकों के मध्य एकता स्थापित करने में लोक-संस्कृति का मुख्य साधन है-

(i) गीत-संगीत

(ii) लोक साहित्य

(iii) लोककला

(iv) इनमें से सभी।

उत्तर - (iv) इनमें से सभी।

18. 'उठावणी' गीत किस अवसर पर गाया जाता है?

(i) जन्म पर

(ii) विवाह पर

(iii) वृद्ध की मृत्यु पर

(iv) जनेऊ पर

उत्तर - (iii) वृद्ध की मृत्यु पर।

19.लोकगीत एवं लोककथाएँ किस परम्परा से प्राप्त है-

(i) श्रुति परंपरा

(ii) लिखित परम्परा

(iii) मौखिक परम्परा

(iv) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर - (iv) मौखिक परंपरा।

20. लोक साहित्य का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया है-

(i) 2

(ii) 4

(iii) 10

(iv) 6

उत्तर - (iv) 6

21. मनुष्य को अधोगति से ऊर्ध्वगति की ओर ले जाने का माध्यम है-

(i) संस्कृति

(ii) संस्कृत

(iii) कला

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (i) संस्कृति

22. किस साहित्य को समाज का अकृत्रिम दर्पण माना जाता है-

(i) लोक साहित्य

(ii) भौतिक साहित्य

(iii) बाल साहित्य

(iv) अनुवाद साहित्य

उत्तर - (i) लोक साहित्य

23. भारतीय कृषक-जीवन का बेहतरीन चितेरा है?

(i) लोककथा

(ii) लोकनाट्य

(iii) लोकगीत

(iv) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर - (iii) लोकगीत

24. लोक-संस्कृति और लोकजीवन की सबसे सरस और संगीतमय अभिव्यक्ति है-

(i) लोककला

(ii) लोककथा

(iii) लोकगीत

(iv) लोक सुभाषित

उत्तर - (iii) लोकगीत

25. थियोडोर एच गैस्टर का यह कथन - "लोकगीत अनिवार्य रूप से जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए"-

(i) सही है।

(ii) गलत है।

(iii) अंशतः गलत है।

(iv) कह नहीं सकते।

उत्तर - (iv) सही है।

26. "भाई से विछिन्न बहन की करूण कथा, सौत के, ननद के और सास के अकारण निक्षिप्त वाक्य बाणों से विद्ध बहू की मर्म कहानी, साहूकार, जमीदार और महाजन के सताए गरीबों की करूण पुकार, आन पर कुर्बान हो जाने वाले विस्मृत वीरों की शौर्य गाथा, अपहार्यमाण सती का वीरत्वपूर्ण आत्मघात, नई जवानी के प्रेम के प्रतिघात, प्रियतम के मिलन, विरह और मातृप्रेम के अकृत्रिम भाव इन गीतों में भरे पड़े हैं।" – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का यह का यह कथन किन गीतों के संबंध में है?

(i) नवगीत

(ii) अनुगीत

(iii) लोकगीत

(iv) ओजगीत

उत्तर – (iii) लोकगीत

27. लोक साहित्य का सबसे प्रचलित रूप है–

(i) लोकनाट्य

(ii) लोक सुभाषित

(iii) लोक कला

(iv) लोकगीत

उत्तर – (iv) लोकगीत

28. लोकगीतों का ही एक रूप है?

(i) लोकगाथा

(ii) लोकसाहित्य

(iii) लोककथा

(iv) लोकनाटक

उत्तर - (i) लोकगाथा

29.. लोकगाथा में अनिवार्य तत्व है ?

(i) गेयता

(ii) संगीतात्मकता

(iii) कथानक

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) कथानक

30. निम्नलिखित में से लोकगाथा है ?

(i) पावड़ा

(ii) कथकली

(iii) भांगड़ा

(iv) ख्याल

उत्तर - (i) पावड़ा

31. कौन संपूर्ण वाक्य न होकर वाक्यांश होते है ?

(i) लोकोक्तियां

(ii) कहावतें

(iii) मुहावरे

(iv) पहेलियाँ

उत्तर - (iii) मुहावरे

32. एक भी शब्द बदल देने से किसका प्रभाव समाप्त हो जाता है ?

(i) मुहावरे का

(ii) लोकोक्ति का

(iii) पहेलियों का

(iv) कहावतों का

उत्तर - (i) मुहावरे का

33. 'लोकोक्ति' शब्द में किन दो शब्दों का मेल हुआ है?

(i) लोको + उक्ति

(ii) लोको + क्ति

(iii) लोक + उक्ति

(iv) लो + ओक्ति

उत्तर - (iii) लोक +उक्ति

34. 'उक्ति' का अर्थ है ?

(i) कथन

(ii) साधारण

(iii) विचार

(iv) चिंतन

उत्तर - (i) कथन

35. निम्नलिखित में क्या अपने आप में पूर्ण वाक्य है ?

(i) मुहावरें

(ii) लोकोक्तियां

(iii) पहेलियाँ

(iv) कहानियाँ

उत्तर - (ii) लोकोक्तियां

36. संस्कृत में पहेली को कहा जाता है ?

(i) प्रहेलिका

(ii) प्रहेलि

(iii) प्रहेलिक

(iv) प्रहीक

उत्तर - (i) प्रहेलिका

37. किसका प्रयोग बुद्धि परीक्षा के लिये सदियों से होता आया है?

(i) मुहावरों का

(ii) कहानियों का

(iii) पहेलियों का

(iv) लोकोक्तियों का

उत्तर - (iii) पहेलियों का

38. लोक साहित्य की विपुल सामग्री का वर्णन किया गया है-

(i) श्रव्य साहित्य

(ii) दृश्य साहित्य

(iii) श्रव्य और दृश्य दोनों

(iv) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर - (iii) श्रव्य और दृश्य दोनों

39. श्रव्य लोक साहित्य के अंतर्गत आते हैं-

(i) लोकगीत एवं लोकगाथाएं

(ii) लोक कथाएं

(iii) लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

40. लोकनाटक और लोकनृत्य उदाहरण हैं -

(i) श्रव्य लोक साहित्य के

(ii) दृश्य लोक साहित्य के

(iii) लोक कला के

(iv) लोक संगीत के

उत्तर - (ii) दृश्य लोक साहित्य के ।

41. 'लोक साहित्य, लोककला, लोकगीत-संगीत आदि का आदान-प्रदान भारतीयों के मध्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता स्थापित करने का प्रमुख माध्यम है।' यह कथन है -

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) दोनों

(iv) कह नहीं सकते।

उत्तर - (i) सत्य

42. मौसम संबंधी जानकारियाँ लोक-मानस में रची-बसी हैं -

(i) बिहारी के दोहों के माध्यम से

(ii) रसखान की उक्तियों के माध्यम से

(iii) घाघ-भड्डरी के कहावतों के माध्यम से

(iv) लोककथाओं के माध्यम से।

उत्तर - (iii) घाघ-भड्डरी के कहावतों के माध्यम से।

43. भारतीय लोक संस्कृति की संरक्षक और प्रतिष्ठापक हैं -

(i) ग्रामीण जनता

(ii) सुदूर नगरों, गाँवों में निवास करने वाले लोग

(iii) वन- पर्वतों में निवास करने वाले आदिम लोग

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

44. प्राचीन परंपरा से चली आ रही चिकित्सा-पद्धतियों - झाड़-फूँक, तंत्र-मंत्र, टोना-टोटका आदि का गहरा समावेशन मिलता है-

(i) चिकित्सा शास्त्र में।

(ii) लोक संस्कृति और लोक साहित्य में ।

(iii) नीति शास्त्र में

(iv) वैज्ञानिक ज्ञान शाखा में।

उत्तर - (ii) लोक संस्कृति और लोक साहित्य में ।

45. लोक मानस की सांस्कृतिक दृष्टि और लोकमंगल की कामना से प्रेरित भावाभिव्यक्तियों का उदाहरण है-

(i) दीपक बढ़ाना (दीपक बुझाने के अर्थ में)

(ii) 'जाता हूँ' के स्थान पर 'आता हूँ' कहना

(iii) दुकान बढ़ाना (दुकान बंद करने के अर्थ में)

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

46. भारतीय नव वर्ष किस मास के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से प्रारंभ होता है-

(i) माघ

(ii) फाल्गुन

(iii) चैत्र

(iv) वैशाख

उत्तर - (iv) चैत्र

47. राष्ट्र को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम है-

(i) तीज त्योहार

(ii) लोक विश्वास एवं लोक मान्यताएँ

(iii) व्रत, उत्सव, मेले, धार्मिक अनुष्ठान आदि

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

48. लोक साहित्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होता है-

(i) मौखिक रूप में

(ii) लिखित रूप में

(iii) सांकेतिक रूप में

(iv) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर - (i) मौखिक रूप में।

49. लोक कथाओं का यह अन्त कि- "जैसे अमुक व्यक्ति का कल्याण हुआ, वैसे ही संसार के सभी लोगों का मंगल हो।" द्योतक है -

(i) लोक कल्याण की भावना का।

(ii) विश्व बंधुत्व की भावना का।

(iii) आत्महित की भावना का।

(iv) (i) और (ii) दोनों

उत्तर - (iv) (i) और (ii) दोनों

50. "लोक संस्कृति में केवल वही लोक साहित्य समाविष्ट होता है जो लोक की आदिम परम्परा को किसी न किसी रूप में सुरक्षित रखता है। अतः इस लोक संस्कृति का मूल्य केवल साहित्य की दृष्टि से उतना नहीं, जितना कि इनमें सुरक्षित परम्पराओं का है।" यह मत किस विद्वान का है?

(i) डॉ० बलदेव उपाध्याय

(ii) डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय

(iii) डॉ० श्याम परमार

(iv) डॉ० बच्चन सिंह

उत्तर - (iii) डॉ० श्याम परमार

UNIT - 4

लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन:
लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।

इकाई 4 लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन

लोक साहित्य किसी भी राष्ट्र या समाज विशेष की लोक संस्कृति का वाहक होता है जिसके माध्यम से हम लोक जीवन के सुख-दु:ख, लोक व्यवहार, संस्कार, रहन-सहन, खान-पान, तीज-त्यौहार, खेती-किसानी, जीवन-मरण तथा उसके सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य परिवेशगत परिवर्तनों के विषय में जान सकते हैं। हमारी परंपरा, संस्कृति, धार्मिक आस्था व विश्वास तथा विरासत से जोड़ने का माध्यम लोक साहित्य ही है। इस संदर्भ में डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय का कथन महत्त्वपूर्ण है, "लोककथा संसार के समस्त कथा साहित्य का जनक है और लोकगीत सकल काव्य की जननी है। इस कारण लोक साहित्य की महत्ता का अनुमान किया जा सकता है।" (लोक साहित्य की भूमिका, प्राक्कथन से)

स्पष्ट है कि लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु लोक साहित्य का संकलन और संरक्षण आवश्यक है। लुप्त होती जा रही लोक साहित्य को तीन स्तरों से संरक्षित किया जा सकता है-

★ छिटपुट बिखरे लोक साहित्य का संकलन

★ संकलित साहित्य का संरक्षण

★ सामूहिक सहभागिता, युवा भागीदारी एवं संरक्षित साहित्य से नयी पीढ़ी को जोड़कर उसका संवर्धन।

उत्तर आधुनिकता के इस युग में ये तीनों ही कार्य अत्यंत दुष्कर हैं क्योंकि वर्तमान युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं संस्कारों से कटती जा रही है। ऐसे में लोककंठ में विद्यमान साहित्य को संजोना कठिन है तो छुटपुट बिखरे, लुप्त होते लोक कथाओं, लोकगीतों सरीखे संपूर्ण लोक साहित्य का संकलन अत्यंत दुष्कर! इसके प्रारंभिक चरण संकलन में ही अनेक बाधाएं आती हैं-

★ लोक साहित्य के जानकारों और गवैयों का क्रमिक अभाव

★ पर्दा प्रथा

★ वर्तमान समय में लोकगीतों को गाना फैशन विरुद्ध मानना एवं उनके प्रति हेय-दृष्टि

★ मन और उमंग के आधार पर गाने की प्रवृत्ति

★ एक बार गा चुकने के बाद गवैयों द्वारा उनकी पुनरावृत्ति में असमर्थता

★संकुचित मनोवृत्ति

–जैसी अनेक बाधाओं से संकलनकर्ता को जूझना पड़ता है।

लोक साहित्य के संरक्षण में अनेक चुनौतियाँ हैं। वैसे भी संस्कृति का संरक्षण कभी भी आसान नहीं रहा। सुखद यह है कि विभिन्न क्षेत्रों और बोलियों में उपलब्ध लोक

साहित्य के संकलन एवं संरक्षण की दिशा में अनेक प्रबुद्ध जनों ने प्रयास किया है और आज भी यह अनवरत जारी है। किंतु सिर्फ इसका संकलन ही महत्त्वपूर्ण नहीं है। लोक साहित्य के संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन पर विचार के क्रम में प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित का कथन समीचीन जान पड़ता है, "लोक साहित्य आज बाजारीकरण के कारण लुप्त होता जा रहा है, जो सांस्कृतिक रूप से नुकसानदायक है। आधुनिक युग में लोक साहित्य का विकास करना है तो पहले बचाओ, फिर बढ़ाओ के फार्मूले पर चलना होगा।"

इस हेतु लोक साहित्य का उचित रखरखाव, इसके संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता, सामूहिक सहभागिता और लोक साहित्य पर अधिकाधिक शोध- कार्य जैसे प्रयासों के साथ-साथ नयी पीढ़ी को लोकगीतों, लोक-कथाओं और लोक-विश्वासों आदि से जोड़कर तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए इसमें रोजगार, पुरस्कार, अध्येतावृत्ति आदि के द्वारा इसका संरक्षण और संवर्धन किया जा सकता है।

MCQs

1. प्रत्येक क्षेत्र का लोक साहित्य, उस क्षेत्र विशेष की किस विशेषता का संवाहक होता है?

(i) लोक संस्कृति का

(ii) वेश-भूषा का

(iii) वार्तालाप का

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक संस्कृति का

2. लोक साहित्य का संकलन एवं संरक्षण करके हम किन विशेषताओं को संरक्षित कर सकेंगे?

(i) पूर्वजों के आचार विचार को

(ii) पूर्वजों के व्रत त्योहार को

(iii) पूर्वजों के संस्कार को

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

3. लोक साहित्य हमें किससे जोड़ते हैं?

(i) हमारी विरासत और परम्परा से

(ii) व्यर्थधता और रुढियों से

(iii) दोनों से

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) हमारी विरासत और परम्परा से

4. लोक जीवन के रहन सहन और संस्कृति की अभिव्यक्ति किस साहित्य में होती है?

(i) संस्कृत साहित्य में

(ii) अपरिनिष्ठित साहित्य में

(iii) लोक साहित्य में

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) लोक साहित्य में

5. लोक साहित्य में अभिव्यक्ति मिलती है?

(i) लोक जीवन के सुख दुःख की

(ii) लोक जीवन के रहन सहन की

(iii) लोक जीवन के तीज त्योहारों की

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

6. लोक साहित्य के संकलन की आवश्यकता क्यों होती है?

(i) क्योंकि इसमें लोक ज्ञान का अक्षय कोष निहित रहता है

(ii) यह मात्र मनोरंजन का साधन होता है

(iii) यह हमें रूढ़ियों से आबद्ध रखता है

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (i) क्योंकि इसमें लोक ज्ञान का अक्षय कोष निहित रहता है

7. किस साहित्य का आधार सुकोमल मानवीय भावनाएँ हैं?

(i) लोक साहित्य

(ii) क्लिष्ट साहित्य

(iii) दोनों

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक साहित्य

8. 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' नामक शोध संस्थान की स्थापना कहाँ हुई थी?

(i) दिल्ली में

(ii) कोलकाता में

(iii) मुंबई में

(iv) लखनऊ में

उत्तर - (ii) कोलकाता में

9. इस उपभोक्तावादी युग में लोक साहित्य की आवश्यकता पर क्या प्रभाव पड़ा है?

(i) आवश्यकता पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है

(ii) आवश्यकता कम हुई है

(iii) आवश्यकता समाप्त हो गई है

(iv) कोई आवश्यकता नहीं है

उत्तर - (i) आवश्यकता पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है

10. 'लोक साहित्य मनुष्य की अनवरत सृजनशीलता का आदिम और जीवंत साक्ष्य है' यह कथन है?

(i) पूर्णतः सत्य

(ii) पूर्णतः असत्य

(iii) आंशिक असत्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) पूर्णतः सत्य

11. लोक संस्कृति और लोक साहित्य को किसनें अपने धर्म प्रचार के उद्देश्य से प्रेरित होकर प्रकाशित कराया?

(i) जनपदीय लोगों नें

(ii) अंग्रेजों नें

(iii) दोनों नें

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) अंग्रेजों नें

12. लोक साहित्य के अध्ययन का प्रारंभ किसके द्वारा किया गया?

(i) पूर्वजों द्वारा

(ii) जनपदीय लोगों द्वारा

(iii) अंग्रेजों द्वारा

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iii) अंग्रेजों द्वारा

13. रेवरेंड एस. हिब्सप नामक पादरी नें किस प्रदेश की जंगली जातियों के सम्बंध में अनेक ज्ञातव्य विषयों का संग्रह किया था?

(i) मध्य प्रदेश की

(ii) उत्तर प्रदेश की

(iii) उत्तराखंड की

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) उत्तर प्रदेश की

14. डाल्टन नें 'डिस्क्रिप्टिव एथ्नालॉजी ऑफ़ बंगाल' नामक सुप्रसिद्ध ग्रंथ का निर्माण किस सन में किया था?

(i) 1800 में

(ii) 1810 में

(iii) 1872 में

(iv) 1880 में

उत्तर - (iii) 1872 में

15. डाल्टन की पुस्तक में किस स्थान में निवास करने वाली विभिन्न जातियों के सम्बंध में बहुमूल्य सामग्री विद्यमान है?

(i) मद्रास

(ii) छत्तीसगढ़

(iii) झारखंड

(iv) बंगाल

उत्तर - (iv) बंगाल

16. भारत के लोकजीवन में पर्याप्त रुचि किसकी थी ?

(i) अंग्रेजों की

(ii) मुगलों की

(iii) दोनों की

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (i) अंग्रेजों की

17.'बंगाली फोकलोर फ्रॉम दिनाजपुर' नामक पुस्तक के लेखक है ?

(i) डाल्टन

(ii) कर्नल टॉड

(iii) जी. एच.डेमेंट

(iv) विलियम

उत्तर -(iii) जी. एच.डेमेंट

18.बंगाली लोक कथाओं का संग्रह किस पुस्तक में है ?

(i) बंगाली फोकलर फ्रॉम दिनाजपुर

(ii) एथ्नालॉजी ऑफ बंगाल

(iii) बंगाल बुक

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) बंगाली फोकलर फ्रॉम दिनाजपुर

19.उत्तर - प्रदेश के लोकगीतों का प्रचुर संग्रह करने वाले विद्वान कौन है ?

(i) डाल्टन

(ii) क्रुक

(iii) विलियम

(iv) टॉड

उत्तर - (ii) क्रुक

20.हमारे पूर्वजों का संचित ज्ञान किस साहित्य में उपलब्ध होता है ?

(i) लोक साहित्य में

(ii) शिष्ट साहित्य में

(iii) क्लिष्ट साहित्य में

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक साहित्य में

21.'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ़ इण्डिया' नामक ग्रंथ के लेखक है ?

(i)कर्नल टॉड

(ii)विलियम

(iii)जॉर्ज ग्रियर्सन

(iv)क्रुक

उत्तर - (iii) जॉर्ज ग्रियर्सन

22. 'सम भोजपुरी फोक सोंग्स' नामक लेख किसका है ?

(i) जॉर्ज ग्रियर्सन का

(ii) कर्नल टॉड का

(iii) केरे का

(iv) क्रुक का

उत्तर- (i) जॉर्ज ग्रियर्सन का

23.'नॉर्थ इण्डियन नोट्स एंड क्वेरीज' नामक पत्रिका का प्रकाशन किसने किया था ?

(i) डाल्टन ने

(ii) विलियम क्रुक ने

(iii) टॉड ने

(iv) केरे ने

उत्तर - (ii) विलियम क्रुक नें

24. गुजराती लोक साहित्य की सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन दे देने वाले विद्वान का नाम है ?

(i) श्री झवेरचंद मेघाणी

(ii) सरतचंद

(iii) सरवेरचंद

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) श्री झवेरचंद मेघाणी

25. 'कविता कौमुदी' के रचनाकार कौन हैं?

(i) मेघाणी

(ii) रामकुमार वर्मा

(iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी

(iv) शंकर शेष

उत्तर - (iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी

26. लोकगीतों के संग्रह का प्रशंसनीय कार्य किसने किया?

(i) जयशंकर प्रसाद ने

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी नें

(iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी नें

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी नें

27. 'कविता कौमुदी' का प्रकाशन किस सन् में हुआ था?

(i) 1929 में

(ii) 1927 में

(iii) 1930 में

(iv) 1940 में

उत्तर - (i) 1929 में

28. भारतीय लोक साहित्य के संकलन, अध्ययन और प्रकाशन का कार्य किस संस्था द्वारा किया गया था?

(i) हिन्दी प्रचार परिषद

(ii) राजभाषा विभाग

(iii) काशी नागरी प्रचारिणी सभा

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) काशी नागरी प्रचारिणी सभा

29. 'ब्रज भाषा का लोक साहित्य' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(i) डॉ. सत्येन्द्र

(ii) रामनरेश त्रिपाठी

(iii) डॉ. सत्या गुप्ता

(iv) डॉ. गोविन्द चातक

उत्तर - डॉ. सत्येन्द्र

30. लोक वार्ता परिषद की स्थापना कहाँ हुई थी?

(i) मद्रास में

(ii) टीकमगढ़ में

(iii) जबलपुर में

(iv) झारखंड में

उत्तर - (ii) टीकमगढ़ में

31. 'लोक साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक हैं?

(i) कृष्ण देव उपाध्याय

(ii) डॉ. त्रिलोचन पांडेय

(iii) डॉ. गोविन्द चातक

(iv) डॉ. उदय नारायण तिवारी

उत्तर - (i) कृष्ण देव उपाध्याय

32. वर्तमान समाज में होते नैतिक मूल्यों के क्षरण से लोक साहित्य की भूमिका की स्थिति क्या होगी?

(i) लोक साहित्य की भूमिका का ह्रास होगा

(ii) लोक साहित्य की भूमिका में वृद्धि होगी

(iii) दोनों स्थितियाँ रहेंगीं

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) लोक साहित्य की भूमिका में वृद्धि होगी

33. 'लोक साहित्य में भाषा विज्ञान के अध्ययन के लिए अक्षय भंडार उपलब्ध है' यह कथन है?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) आंशिक असत्य

उत्तर - (i) सत्य

34. लोक भाषाओं में जटिल से जटिल भावों को व्यक्त करने के लिए किस तरह के शब्दों का भंडार है ?

(i) कठिन

(ii) क्लिष्ट

(iii) सरल एवं सटीक

(iv) परिनिष्ठित

उत्तर - (iii) सरल एवं सटीक

35. लोक साहित्य, लोक भाषा की वस्तु होने के कारण किनके लिए बड़ा महत्वपूर्ण है ?

(i) कवियों के लिए

(ii) उपन्यासकारों के लिए

(iii) भाषा वैज्ञानिकों के लिए

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) भाषा वैज्ञानिकों के लिए

36. लोक साहित्य को संकलित करने में आने वाली एक प्रमुख बाधा क्या है ?

(i) संकलनकर्ता को सहयोग न मिल पाना

(ii) संकलनकर्ता को सहयोग मिल पाना

(iii) संकलनकर्ता का कार्य के प्रति गम्भीर होना

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) संकलनकर्ता को सहयोग न मिल पाना।

37. लोक साहित्य के संकलन का कार्य है ?

(i) अत्यंत सरल

(ii) अत्यंत कठिन

(iii) सहज

(iv) अत्यंत सजह

उत्तर- (ii) अत्यंत कठिन

38. जीणा माता रो, डुंग जी जवार जी रो गीत तथा नरसी जी रो मायरी आदि गीत है?

(i) राजस्थानी

(ii) भोजपुरी

(iii) छत्तीसगढ़ी

(iv) झारखण्डी

उत्तर - (i) राजस्थानी

39. 'ईसुरी' नामक लोक कवि की फागें कहाँ बहुत प्रसिद्ध है ?

(i) राजस्थान में

(ii) भोजपुर में

(iii) बिहार में

(iv) बुंदेलखंड में

उत्तर- (iv) बुंदेलखंड में

40.'मालवी' लोक साहित्य पर कार्य करने वाले विद्वान है ?

(i)डॉ . श्याम परमार

(ii)पं.गौरी शंकर

(iii)रामनरेश त्रिपाठी

(iv)रघुनाथ सिंह

उत्तर - (i)डॉ . श्याम परमार

41. लोक साहित्य के संकलन एवं संग्रहण से जुड़ी समस्या नहीं है ?

(i) प्राचीन परम्पराओं पर आधुनिकता का प्रभाव

(ii) श्रम साध्य कार्य

(iii) भाषा विषयक ज्ञान की कमी

(iv) संकलनकर्ता का लोगों द्वारा सहयोग किया जाना

उत्तर- (iv) संकलनकर्ता का लोगों द्वारा सहयोग किया जाना

42. छात्रों की रुचि लोक साहित्य के प्रति जाग्रत करने के लिए पठन पाठन की पारंपरिक तकनीक से हटकर किस तरह की तकनीक विकसित की जानी चाहिए?

(i) नवीन तकनीक

(ii) प्राचीन तकनीक

(iii) रूढ़िवादी तकनीक

(iv) पारंपरिक तकनीक

उत्तर - (i) नवीन तकनीक

43. लोक साहित्य के संवर्धन के लिए क्या क्या प्रयास किए जाने चाहिए?

(i) शोध केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए

(ii) शोधार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जानी चाहिए

(iii) लुप्तप्राय सम्पदा को व्यवस्थित किया जाना चाहिए

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

44. लोक साहित्य के लुप्त होने का एक कारण है?

(i) पश्चिमी करण और बाजारीकरण

(ii) शोध केंद्र स्थापित करना

(iii) शोधार्थियों को छात्रवृत्ति देना

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (i) पश्चिमी करण और बाजारीकरण ।

45. यदि लोकसाहित्य का सम्यक संरक्षण और अनुशीलन किया जाए तो हमारा साहित्य होगा?

(i) निम्नतर

(ii) समृद्ध

(iii) ह्रासोन्मुख

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) समृद्ध

46. 'लोक साहित्य की परंपराएं प्रत्येक देश व समाज में पाई जाती हैं' वाक्य है?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) आंशिक असत्य

उत्तर - (i) सत्य

47. लोक साहित्य का महत्व है?

(i) ऐतिहासिक

(ii) सामाजिक

(iii) धार्मिक

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

48. वह साहित्य जो जनता के कंठों में देश के सभी राज्यों , भाषाओं और छोटी - छोटी बोलियों के रूप में भरा हुआ ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) परिनिष्ठित साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक साहित्य

49. सर ग्रियर्सन की किस पुस्तक को भारतीय लोक संस्कृति क्षेत्र का पत्थर कहा जाता है ?

(i) बिहार पीजेंट लाइफ को

(ii) भोजपुरी सांग्स को

(iii) सम भोजपुरी सांग्स को

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(i) बिहार पीजेंट लाइफ को

50. 'फोक टेल्स ऑफ बंगाल' ग्रंथ के रचयिता कौन है ?

(i) नरेश शास्त्री

(ii) तारा दत्त

(iii) लाल बिहारी डे

(iv) आर. सी.टैम्पुल

उत्तर- (iii) लाल बिहारी डे

UNIT - 5

लोक साहित्य की विविध विधाएँ :

लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत

इकाई 5- लोक साहित्य की विविध विधाएँ

लोक साहित्य की विविध विधाएँ भारतीय साहित्य की एक महत्त्वपूर्ण और अभिन्न अंग हैं। यह लोक समृद्धि, सामाजिक चेतना, और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिम्ब है। लोक साहित्य विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों, और समुदायों में भिन्न-भिन्न रूपों में प्रकट होता है, जिसमें गीत, नाट्य, कथाएं, गाथाएं और नृत्य शामिल हैं। लोक साहित्य विविधता का दर्पण है, जो अक्सर नाट्यों, प्रेरणादायक कहानियों, गाथाओं और लोकगीतों के माध्यम से अभिव्यक्त होकर वहाँ की संस्कृति को प्रस्तुत करता है।

लोक साहित्य की विधाओं को निम्न भागों में बाँटा जा सकता है-

लोक गीत- लोक गीत लोक साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, जो समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाओं को अभिव्यक्त करता है। ये गीत अक्सर जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित होते हैं और समाज की अनुभूतियों को साझा करते हैं। ये गीत विभिन्न उत्सवों तथा ऋतुओं में गाये जाते हैं। इनका वर्गीकरण निम्नलिखित आधार पर किया जा सकता है-

1. संस्कार सम्बन्धी गीत
2. ऋतु सम्बन्धी गीत
3. व्रत सम्बन्धी गीत
4. देवता सम्बन्धी गीत
5. जाति सम्बन्धी गीत
6. श्रम सम्बन्धी गीत

लोक गाथा- लोक गाथाएं समाज से जुड़ी गाथाएं हैं। इनका कथानक प्रभावशाली और विस्तृत होता है, पर यह व्यक्तित्वविहीन होती हैं अर्थात् उनके रचयिताओं का पता नहीं होता। इसमें गीतात्मकता अनिवार्य तत्व हैं। ये समाज के किसी वर्ग और व्यक्ति विशेष से सम्बद्ध नहीं हैं अपितु, सम्पूर्ण समाज की धरोहर हैं। इनका उद्भव जनसाधारण की मौखिक परम्परा से होता है। काव्यकला के सौंदर्य और गुणों का इनमें अभाव रहता है। लोक गाथाएं समाज के विभिन्न पहलुओं, इतिहास, और परम्पराओं को दर्शाती हैं। इनमें वीरता, साहस, रहस्य एवं रोमांच का अंश प्रायः अधिक पाया जाता है।

लोक कथा- लोक कथा किसी मानव-समूह की उस साझी अभिव्यक्ति को कहते हैं, जो विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त होता है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कुछ निश्चित कथानक रूढ़ियों और शैलियों में ढली लोककथाओं के अनेक संस्करण, उसके नित्य नयी प्रवृत्तियों और चरित्रों से युक्त होकर विकसित होने के प्रमाण है। एक ही कथा विभिन्न अंचलों और संदर्भों में बदलकर अनेक रूप ग्रहण करती हैं। लोककथाएँ मौखिक परम्परा की संवाहक हैं।ऐसी कहानियाँ दंतकथाओं, मिथकों और परियों की कहानियों सहित कई कहानी कहने की परम्पराओं से निकटता से जुड़े हुए हैं। प्रत्येक मानव समाज की अपनी लोककथाएँ होती हैं, पीढ़ियों के बीच हस्तांतरित होने वाली ये प्रसिद्ध कहानियाँ ज्ञान, सूचना और इतिहास को आगे बढ़ाने का एक महत्त्वपूर्ण जरिया है।

लोक नाट्य- लोक नाट्य से तात्पर्य नाटक के रूप से है, जिसका सम्बंध विशिष्ट समाज से भिन्न सर्व साधारण के जीवन से है और जो परम्परा से अपने-अपने क्षेत्र के जनसमुदाय के मनोरंजन का साधन रहा है। नाटक में गीत, नृत्य और संगीत की त्रिवेणी का प्रवाह रहता है। इन नाटकों के केंद्र में समाज ही रहता है, जो त्योहारों, धार्मिक अवसरों ,उत्सवों पर प्रदर्शित किये जाते हैं।

लोक सुभाषित- लोक सुभाषित समाज के सांस्कृतिक आधारों को प्रकट करता है। आम जनमानस अपने दैनिक व्यवहार में मुहावरों, लोकोक्तयों और सुभाषितों का प्रयोग करता है। इन मुहावरों और कहावतों में चिरसंचित अनुभूत ज्ञान राशि भरी पड़ी है। इनके अध्ययन से हमारी सामाजिक और धार्मिक परम्पराओं का चित्रण परिलक्षित होता है।

लोक साहित्य के इन विधाओं ने भारतीय साहित्य को समृद्ध और विविधता से युक्त किया है। ये विधाएँ न केवल हमारे समाज की विरासत को समझने में मदद करती हैं, बल्कि हमें रहनुमाई, भावनाओं, और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कराती हैं। इन विभिन्न विधाओं के माध्यम से, हम बोध होता है कि हमारा समाज कैसे विकसित हुआ और हमारी विरासत की मूल्यवत्ता क्या है?इस प्रकार, लोक साहित्य न केवल हमारे कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि हमारे समाज की सांस्कृतिक परम्परा को जीवंत और सार्थक बनाने हेतु उपयोगी है।

MCQs

1. लोक साहित्य को प्रमुख रूप से कितने भागों में बाँटा जा सकता है?

(i) दो

(ii) तीन

(iii) चार

(iv) पाँच

उत्तर- (iv) पाँच

2. लोकगीत में कितने रसों की प्रधानता पाई जाती है?

(i) सात

(ii) तीन

(iii) चार

(iv) पाँच

उत्तर- (iv) पाँच

3. 'कजली' किस प्रकार का लोकगीत है?

(i) ऋतु सम्बन्धी गीत

(ii) जाति सम्बन्धी गीत

(iii) श्रम सम्बन्धी गीत

(iv) संस्कार सम्बन्धी गीत

उत्तर- (i) ऋतु सम्बन्धी गीत

4. निम्नलिखित में से श्रम सम्बन्धी गीत है?

(i) मुंडन गीत

(ii) चैता गीत

(iii) सोहनी गीत

(iv) नाग पंचमी गीत

उत्तर- (iii) सोहनी गीत

5. लोक गाथा में प्रधानता होती है-

(i) कथानक

(ii) गेयता

(iii) अलंकार

(iv) रस

उत्तर-(i) कथानक

6. निम्नलिखित में से कौन-सा लोक गाथा के अंतर्गत आता है -

(i) पंचतंत्र

(ii) ढोला मारू रा दूहा

(iii) बृहत्कथा मंजरी

(iv) बेताल पंचविंशति

उत्तर- (ii) ढोला मारू रा दूहा

7. लोकनाट्य का सम्बन्ध किससे है?

(i) शहरी जीवन से

(ii) आदिवासियों से

(iii) लोक जीवन से

(iv) साहित्यिक जीवन से

उत्तर- (iii) लोक जीवन से

8. 'बिदेसिया' है-

(i) लोकगीत

(ii) लोक गाथा

(iii) लोककथा

(iv) लोकनाट्य

उत्तर- (iv) लोक नाट्य

9. 'बिदेसिया' के रचनाकार हैं-

(i) स्वयंभू

(ii) अमीर खुसरो

(iii) भिखारी ठाकुर

(iv) सरहपा

उत्तर- (iii) भिखारी ठाकुर

10. 'गरबा' लोक नृत्य है ?

(i) गुजरात का

(ii) हरियाणा का

(iii) उत्तर प्रदेश का

(iv) बिहार का

उत्तर-(i) गुजरात का

11. निम्नलिखित में से कौन-सा लोकनृत्य उत्तर प्रदेश का है?

(i) कथकली

(ii) डांडिया

(iii) रासलीला

(iv) मोहिनीअट्टम

उत्तर- (iii) रासलीला

12. निम्नलिखित में से कौन- सा गीत श्रृंगार रस के अंतर्गत नही गाया जाता है?

(i) झूमर

(ii) सोहर

(iii) गवना

(iv) जनेऊ

उत्तर- (iii) गवना

13. 'फगुआ' गीत गाया जाता है-

(i) होली में

(ii) विवाह गीत में

(iii) विदाई गीत में

(iv) उपर्युक्त सभी में

उत्तर- (i) होली में

14. लोक संगीत की विशेषता है-

(i) लोक संगीत प्रकृति से जुड़ा है

(ii) लोक संगीत में देवी-देवताओं के गीत होते हैं।

(iii) लोक संगीत में कोई लिखित नियम नही है

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

15. किस साहित्यकार ने 'लोक' शब्द को 'ग्राम' से सम्बोधित किया है?

(i) पं0 राम नरेश त्रिपाठी

(ii) आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) श्रीराम शर्मा

(iv) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

उत्तर-(i) राम नरेश त्रिपाठी

16. विशेष घटना से युक्त गीतों को कहा जाता है-

(i) लोक नाट्य

(ii) लोक गीत

(iii) लोक गाथा

(iv) लोक नृत्य

उत्तर- (iii) लोक गाथा

17. स्त्रियों द्वारा सायंकाल में गाये जाने वाले भजन को कहते हैं-

(i) आल्हा

(ii) गवना

(iii) संझा

(iv) बिरहा

उत्तर- (iii) संझा

18. अहीर जाति के लोगों का जातीय गीत है

(i) बिरहा

(ii) पचरा

(iii) रोपनी

(iv) आल्हा

उत्तर-(i) बिरहा

19. निम्नलिखित में से कौन -सा गीत लड़की की विदाई के समय गाया जाता है?

(i) झूमर के गीत

(ii) कजली गीत

(iii) फगुआ गीत

(iv) गवना के गीत

उत्तर- (iv) गवना के गीत

20. लोक गाथाओं में किस रस की प्रधानता पायी जाती है?

(i) शान्त रस

(ii) वीर रस

(iii) रौद्र रस

(iv) वीभत्स रस

उत्तर- (ii) वीर रस

21. प्रसिद्ध लोक नृत्य 'माँच' कहाँ प्रचलित है?

(i) मालवा

(ii) उत्तराखंड

(iii) उत्तर प्रदेश

(iv) उड़ीसा

उत्तर-(i) मालवा

22. भारतीय धर्म शास्त्रियों ने कितने संस्कारो का विधान किया है-

(i) 15

(ii) 16

(iii) 17

(iv) 18

उत्तर- (ii) 16

23.पुत्र के जन्म के अवसर पर गाये जाने वाले गीतों को कहा जाता है-

(i) सोहर

(ii) बिरहा

(iii) सोहनी

(iv) चैता

उत्तर-(i) सोहर

24. 'चैता' लोक गीत को भोजपुरी में कहते हैं-

(i) घांटों

(ii) घूमर

(iii) बारहमासा

(iv) लूर

उत्तर-(i) घांटों

25. किस व्रत को स्त्रियाँ पुत्री प्राप्ति हेतु करती हैं?

(i) छठी

(ii) पिंडिया

(iii) बहुरा

(iv) करवा

उत्तर- (iii) बहुरा

26. डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय ने लोक गाथा को प्रमुखतः कितने भागों में बाँटा है?

(i) 2

(ii) 3

(iii) 4

(iv) 5

उत्तर- (ii) 3

27. 'जातक' है-

(i) लोक गाथा

(ii) लोक नाट्य

(iii) लोक गीत

(iv) लोक कथा

उत्तर- (iv) लोक कथा

28. 'नाट्यशास्त्र' के प्रणेता हैं-

(i) आ0विश्वनाथ

(ii) आ0 धनंजय

(iii) आ0 भरतमुनि

(iv) आ0 दण्डी

उत्तर- (iii) आ0 भरतमुनि

29.लोक साहित्य क्या है?

(i) प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखित साहित्य

(ii) आम लोगों द्वारा रचा गया साहित्य

(iii) प्राचीन काल का साहित्य

(iv) साहित्य केवल बच्चों के लिए

उत्तर: (ii) आम लोगों द्वारा रचा गया साहित्य

30. कौन-सा क्षेत्र अपनी बाउल गान परम्परा के लिए प्रसिद्ध है?

(i) पंजाब

(ii) बंगाल

(iii) केरल

(iv) राजस्थान

उत्तर: (ii) बंगाल

31. कौन-सा राज्य अपनी बिहु गीत परम्परा के लिए जाना जाता है?

(i) बिहार

(ii) असम

(iii) गुजरात

(iv) मध्य प्रदेश

उत्तर: (ii) असम

32. महाराष्ट्र की लोकनृत्य और गीत शैली 'लावणी' का प्रमुख विषय क्या है?

(i) प्रेम और रोमांस

(ii) युद्ध और वीरता

(iii) धार्मिक भक्ति

(iv) व्यंग्य और सामाजिक टिप्पणी

उत्तर- (i) प्रेम और रोमांस

33. नौटंकी की कथावस्तु का सम्बन्ध होता है-

(i) संस्कृति

(ii) धर्म

(iii) सम्प्रदाय

(iv) समाज

उत्तर- (iv) समाज

34. 'यक्षगान' लोक नाट्य किस राज्य में प्रमुखतः से प्रचलित है?

(i) कर्नाटक

(ii) पंजाब

(iii) राजस्थान

(iv) उड़ीसा

उत्तर-(i) कर्नाटक

35. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान का पारम्परिक लोक नाट्य रूप है, जिसे उसके जीवंत वस्त्रों और ऊर्जावान संगीत के लिए जाना जाता है?

(i) भांगड़ा

(ii) भवाई

(iii) गरबा

(iv) लावणी

उत्तर- (ii) भवाई

36. नौटंकी को उत्तर प्रदेश में अन्य किस नाम से जाना जाता है?

(i) स्वांग

(ii) ख्याल

(iii) जात्रा

(iv) यक्षगान

उत्तर-(i) स्वांग

37. 'पंचतंत्र' के लेखक कौन हैं?

(i) क्षेमेन्द्र

(ii) विष्णु शर्मा

(iii) अमीर खुसरो

(iv) भारतेंदु हरिश्चंद्र

उत्तर- (ii) विष्णुशर्मा

38. लोक कथा 'जातक' किससे सम्बंधित है?

(i) राजा विक्रम से

(ii) सोमदेव से

(iii) बुद्ध के पूर्व जन्मों से

(iv) विद्याधर भट्ट से

उत्तर- (iii) बुद्ध के पूर्व जन्मों से

39. लोक कथा की प्रमुख विशेषता है-

(i) मंगल कामना की भावना

(ii) उत्सुकता की भावना

(iii) रहस्य रोमांच एवं अलौकिकता की प्रधानता

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

40. प्रसिद्ध 'हीर- रांझा' की गाथा का वर्ण्य विषय है-

(i) प्रेम

(ii) मनोरंजन

(iii) धार्मिक

(iv) आर्थिक

उत्तर-(i) प्रेम

41.लोक गाथा को अंग्रेजी में कहा जाता है-

(i) Folk ballads

(ii) Folk tales

(iii) Folk drama

(iv) Folk lyrics

उत्तर -(i) Folk ballads

42. लोक कथाओं के सूत्र मिलते हैं-

(i) वेदों में

(ii) ब्राह्मण ग्रंथो में

(iii) उपनिषदों में

(iv) उपर्युक्त सभी में

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी में

43. निम्नलिखित में से कौन लोक गाथा के अंतर्गत नही आता है?

(i) लोरकी

(ii) आल्हा

(iii) विहुला

(iv) कथा सरित्सागर

उत्तर- (iv) कथा सरित्सागर

44. वैदिक साहित्य में 'गाथिन' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(i) प्राचीन आख्यान या कथा कहने वाला

(ii) गीत गाने वाला

(iii) कथा कहने वाला

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (ii) गीत गाने वाला

45. किसे पंचम वेद की संज्ञा से अभिहित किया जाता है?

(i) नाटक

(ii) उपन्यास

(iii) कहानी

(iv) काव्य साहित्य

उत्तर-(i) नाटक

46. निम्नलिखित में से कौन नाटक में त्रिवेणी के अंतर्गत नहीं आता है?

(i) गीत

(ii) नृत्य

(iii) संगीत

(iv) कथानक

उत्तर- (iv) कथानक

47. भारतीय लोक कथाओं का अंत प्रायः होता है-

(i) सामान्य

(ii) दुखान्त

(iii) सुखान्त

(iv) प्रसादान्त

उत्तर- (iii) सुखान्त

48. 'कथक' नृत्य किस राज्य से सम्बंधित है?

(i) मध्यप्रदेश

(ii) उत्तर प्रदेश

(iii) हिमाचल प्रदेश

(iv) हरियाणा

उत्तर- (ii) उत्तर प्रदेश

49. भोजपुरी की 'कुसमा देवी' गाथा का वर्ण्य विषय है-

(i) प्रेम

(ii) वीरता

(iii) रोमांच

(iv) चारण

उत्तर-(i) प्रेम

50. प्रमुख त्यौहार नाग पंचमी कब मनाया जाता है?

(i) श्रावण शुक्ल पंचमी

(ii) भाद्रपद पंचमी

(iii) कार्तिक पंचमी

(iv) मार्गशीर्ष पंचमी

उत्तर-(i) श्रावण शुक्ल पंचमी

UNIT - 6

लोक का प्रकीर्ण साहित्य :

लोकोक्तियों, मुहावरे एवं पहेलियाँ-परंपरा एवं महत्त्व

इकाई 6- लोक का प्रकीर्ण साहित्य

लोक के प्रकीर्ण साहित्य के अंतर्गत छोटी-छोटी महत्वपूर्ण विधाएं जैसे लोकोक्ति, मुहावरे, मुकरियाँ, पहेलियाँ इत्यादि को शामिल किया जाता है।

'प्रकीर्ण' शब्द का कोशगत अर्थ है- बिखरा हुआ, मिलाया हुआ, मिश्रित। वैसे तो लोकसाहित्य की समस्त बिखरी हुई, मिश्रित, फैली हुई, विधाओं पर विशेषण लगाये जा सकते हैं क्योंकि लोक गीत हो या लोक गाथा, लोक कथा हो या लोक नाट्य अथवा लोक कलाएँ, यह सभी अंचल विशेष में बिखरी हुई होती हैं, साथ ही एक अंचल से दूसरे अंचल तक पहुँचने में इनमें अनेक नयी-पुरानी प्रवृत्तियाँ घुल मिल जाती हैं, जिससे एक अंचल विशेष की रचना होने के पश्चात भी दूसरे अंचल में ससम्मान स्वीकार्यता होती है। चूंकि मौखिक परम्परा में विद्यमान होने के कारण इनका स्थायी रूप सुरक्षित नहीं रह पाता। इन अस्त-व्यस्त पाठों से 'मानक-पाठ' के निर्माण की आवश्यकता होती है। चूंकि लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा एवं लोक नाट्यों का अधिक प्रचलन होने से इनके अधिकांश पाठ संकलित हो गये हैं। अतः इनका स्वरूप निश्चित होने लगा है। इसके विपरीत मनुष्य के दैनिक जीवन में विशेष अवसरों, बात-बात पर अपने अनुभवों की भाँति प्रयोग करने वाली अनेक उक्तियाँ समाज में प्रचलित हैं, जिनका संकलन नहीं हो सका या संकलन में इनके कई रूप दिखायी पड़े या जो अभी भी अस्त-व्यस्त रूप के कारण मानकीकृत नहीं हो पाये हैं, उन्हें लोक साहित्य में फुटकल अथवा 'प्रकीर्ण साहित्य' कहा जाता है। लोकोक्तियाँ, कहावतें, पहेलियाँ, सूक्तियाँ, चुटकुले, मंत्र आदि ऐसी विधाएँ हैं जोकि अभी भी जन मानस में बिखरी हैं। इन्हें ही प्रकीर्ण लोक साहित्य कहा जाता है ।

लोकोक्ति- लोकोक्ति का अर्थ लोक में प्रचलित उस कथन अथवा उक्ति से होता है, जो व्यापक लोक-अनुभव पर आधारित होती है। लोकोक्ति को अंग्रेजी में Proverb कहते हैं। लोकोक्तियाँ वस्तुतः जीवन की नीतिगत आचार संहिता है। यह लोकमानस के दीर्घ अनुभवों का संचित कोष है, जिसमें इतिहास, परम्परा और संस्कृति अंशतः जुड़ी रहती है।

कहावत- 'कहावत' को फारसी में 'मसल' और अंग्रेजी में SAYING कहा जाता है। अधिकांश परिभाषाओं में लोकोक्ति और कहावत को एक ही श्रेणी में पारिभाषित किया जाता है, पर इसमें सूक्ष्मतम अंतर है। 'कहावत' का सामान्य अर्थ है- कहना, सुनना। कहावतों में भी लोकोक्ति की भाँति लोक जीवन का सार एवं लोक मानस

का अनुभव विद्यमान रहता है। लघुता, अनुभवशीलता, भाषिक सरलता, सहजता, लोकप्रियता, व्यंग्यात्मकता इत्यादि कहावत के गुण हैं। भारतीय ग्रामीण समाज में प्रचलित घर-परिवार, समाज, कृषि, पशुधन, वर्षा, शकुन-अपशकुन आदि के बारे में लिखी गयी कहावतें आज भी प्रचलित हैं। कृषि, वर्षा, ऋतु सम्बन्धी कहावतों में घाघ और भड्डरी की कहावतें विज्ञान को भी चुनौती देती हैं।

मुहावरा- मुहावरे का प्रयोग दैनिक जीवन की सामान्य शब्दावली में प्रायः किया जाता है। यह भाषा के अभिधार्थ को लक्षणा और व्यंजना से जोड़कर इसके प्रभाव को और महत्त्वपूर्ण एवं प्रसंग युक्त बना देता है। अरबी भाषा के शब्द 'हौर' शब्द से उत्पन्न 'मुहावरा' परस्पर वार्तालाप के अर्थ में प्रयुक्त होता है। अंग्रेजी में इसे इडियम (IDIOM) कहा जाता है। 'वाग्धारा' शब्द भी मुहावरे के लिए प्रयुक्त होता है। हिन्दी में वाग्धारा का समानार्थी शब्द 'रूढ़ि' भी मिलता है। मुहावरा अपने आप में ऐसा अर्थपूर्ण वाक्यांश है, जो अपूर्ण होते हुए भी, भाषा-शैली को नयी शक्ति व ऊर्जा देकर, अभिव्यक्ति विशेष को जीवन्त एवं सजीव बना देता है।

पहेली- यह लोक सहित्य की अनूठी विधा है। सामान्य भाषा में इसे 'पहेली', अंग्रेजी भाषा में से 'रिडल' तथा देशज शब्दावलियों में 'बुझावल' नाम से अभिहित किया गया है। मनुष्य अपने ज्ञान, विज्ञान एवम मनोरंजन के लिए चिर परिचित वस्तुओं के सम्बंध में अपने कथन को लयात्मक, रहस्यात्मक और प्रश्नात्मक रूप से कहता है और उसका उत्तर किसी अन्य व्यक्ति से पूछा जाता है, इस प्रश्न को ही पहेली कहते हैं।

मुकरी- मुकरी जनमानस में प्रचलित पहेली का ही एक रूप है, जिसका ध्येय मनोरंजन के साथ-साथ बुद्धि चातुर्य का होता है। इसमें जो बात कही जाती है, वो द्वयर्थक होती है, पर दोनों अर्थों में से जो प्रधान अर्थ होता है, उससे मुकर कर दूसरे अर्थ स्वीकार किया जाता है, परन्तु यह स्वीकारोक्ति वास्तविक नही होती है। इसका प्रारम्भ 14वीं शताब्दी के अमीर खुसरो से माना जाता है।

लोक साहित्य का प्रकीर्ण साहित्य भारतीय समाज और संस्कृति के लिए एक अद्वितीय संपत्ति है। हम लोकोक्ति, मुहावरे, पहेलियों के माध्यम से अपनी भाषा एवं बोली को संस्कारित कर रहे हैं। आज के आधुनिक युग में भी यह हमें हमारी नींव, पहचान और साझी मानवता की याद दिलाता है।

MCQs

1. लोक सुभाषित के अंतर्गत आते हैं-

(i) लोकोक्तियाँ

(ii) मुहावरे

(iii) पहेलियाँ

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

2. 'कर्पूर मंजरी' के रचनाकार हैं?

(i) राजशेखर

(ii) भारवि

(iii) घाघ

(iv) श्रीहर्ष

उत्तर-(i) राजशेखर

3. 'लोकोक्ति' को संस्कृत भाषा में क्या कहा जाता है?

(i) सुभाषित

(ii) द्विपद

(iii) व्यंग्यार्थ

(iv) रीति

उत्तर-(i) सुभाषित

4. 'डिक्शनरी ऑफ हिन्दुस्तानी प्रोवब् र्स' के लेखक हैं-

(i) युंग

(ii) एडलर

(iii) फेलन

(iv) रसल

उत्तर- (iii) फेलन

5. 1931 ई0 में भोजपुरी लोकोक्तियों का संग्रह 'हिंदुस्तानी' पत्रिका में किसने छपवाया था?

(i) राजेंद्र सिंह वर्मा

(ii) उदय नारायण तिवारी

(iii) धीरेंद्र वर्मा

(iv) जार्ज ग्रियर्सन

उत्तर- (ii) उदय नारायण तिवारी

6. निम्नलिखित में से कौन-सी लोकोक्ति की विशेषता नहीं है?

(i) समास शैली

(ii) अनुभूति और निरीक्षण

(iii) सरलता

(iv) व्यापकता

उत्तर- (iv) व्यापकता

7. डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय के अनुसार लोकोक्तियों को कितने भागों में बाँटा जा सकता है-

(i) पाँच

(ii) चार

(iii) तीन

(iv) सात

उत्तर-(i) पाँच

8. 'का बाँगर का अन्ने, का जोलाहा का धन्ने' लोकोक्ति का सम्बंध है-

(i) स्थान सम्बन्धी

(ii) जाति सम्बन्धी

(iii) प्रकृति तथा कृषि सम्बन्धी

(iv) पशु-पक्षी सम्बन्धी

उत्तर-(i) स्थान सम्बन्धी

9. प्रकीर्ण लोकोक्ति में किसकी प्रधानता रहती है?

(i) जाति की

(ii) प्रकृति तथा कृषि की

(iii) पशु-पक्षियों की

(iv) नीति की

उत्तर- (iv) नीति की

10. निम्नलिखित में से कौन ब्रज की लोकोक्तियों के भेद के अंतर्गत नहीं आता है?

(i) अनमिल्ला

(ii) अचका

(iii) ओलना

(iv) कजली

उत्तर- (iv) कजली

11. घाघ और भड्डरी का सम्बन्ध किससे है?

(i) लोक नाट्य

(ii) लोकगाथा

(iii) लोकोक्ति

(iv) लोक गीत

उत्तर- (iii) लोकोक्ति

12. 'मुहावरा' शब्द किस भाषा का शब्द है?

(i) अरबी

(ii) फारसी

(iii) संस्कृत

(iv) लैटिन

उत्तर-(i) अरबी

13. "मुहावरा अगर उम्दा तौर से बाँधा जावे तो बिला शुबहा पस्त शेर को बलंद और बलंद को बलंदतर कर देता है" उक्ति किसकी है?

(i) मुल्ला दाऊद

(ii) मौलाना हाली

(iii) कुतुबन

(iv) अमीर खुसरो

उत्तर- (ii) मौलाना हाली

14. अयोध्या सिंह उपाध्याय ने अपनी किस पुस्तक के अंतर्गत मुहावरों का पद्यों में प्रयोग किया है?

(i) प्रियप्रवास

(ii) रसकलस

(iii) बोलचाल

(iv) चोखे चौबदे

उत्तर- (iii) बोलचाल

15. भोजपुरी मुहावरा 'छीपा बजाना' का अर्थ है-

(i) पुत्र उत्पत्ति हेतु प्रसन्नता पर

(ii) मृत्यु शोक पर

(iii) विवाह के समय

(iv) लड़की की विदाई पर

उत्तर-(i) पुत्र उत्पत्ति हेतु प्रसन्नता पर

16. भोजपुरी प्रदेश में विवाह के समय कोहबर में प्रवेश पर वर से वहाँ की स्त्रियाँ पहेलियाँ पूछतीं हैं, उसे कहते हैं-

(i) कोइरी

(ii) छेंका

(iii) पियरी

(iv) बोलचाल

उत्तर- (ii) छेंका

17. संस्कृत भाषा में 'प्रहेलिका' किसे कहा जाता है?

(i) पहेली

(ii) लोकोक्ति

(iii) मुहावरा

(iv) ढकोसला

उत्तर-(i) पहेली

18. ढकोसलों का प्रधान उद्देश्य होता है-

(i) व्यंग्य करना

(ii) मनोरंजन करना

(iii) विलाप करना

(iv) हितार्थ बात करना

उत्तर- (ii) मनोरंजन करना

19. पहेलियों को प्रायः कितने भागों में विभक्त किया गया है?

(i) पाँच

(ii) सात

(iii) आठ

(iv) दस

उत्तर- (ii) सात

20. झबेरचन्द्र मेघाणी किस लोक साहित्य के मर्मज्ञ हैं?

(i) गुजराती लोक साहित्य

(ii) मराठी लोक साहित्य

(iii) भोजपुरी लोक साहित्य

(iv) बंगाली लोक साहित्य

उत्तर-(i) गुजराती लोक साहित्य

21. लोक प्रकीर्ण साहित्य को 'सुभाषित साहित्य' किसने कहा है?

(i) अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

(ii) राजेंद्र वर्मा

(iii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(iv) डॉ0 श्याम परमार

उत्तर- (iii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

22. लोकोक्ति का समानार्थी शब्द है-

(i) कहावत

(ii) प्रवाद

(iii) लोकप्रवाद

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

23. मुकरियों का जनक किसे कहा जाता है?

(i) कबीरदास को

(ii) नंददास को

(iii) सूरदास को

(iv) अमीर खुसरो को

उत्तर- (iv) अमीर खुसरो को

24. 'मुकरी' का शाब्दिक अर्थ है-

(i) भूल जाना

(ii)गुस्सा होना

(iii) बात न करना

(iv) कह के मुकर जाना

उत्तर- (iv) कह के मुकर जाना

25. 'कहावतें वे छोटे वाक्य हैं जिनमें लम्बे अनुभव का सार हो' उक्त परिभाषा किसकी है?

(i) डॉ0 जॉनसन

(ii) रसल

(iii) सर्वन्टीज

(iv) पिकेल

उत्तर- (iii) सर्वन्टीज

26. निम्नलिखित में से किस वेद को रामनरेश त्रिपाठी ने 'पहेलियों का वेद' कहा है?

(i) ऋग्वेद

(ii) सामवेद

(iii) यजुर्वेद

(iv) अथर्ववेद

उत्तर-(i) ऋग्वेद

27. निम्नलिखित में से किसने पहेलियों को 'अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान' कहा है?

(i) रामनरेश त्रिपाठी

(ii) श्याम परमार

(iii) डॉ0 सतेन्द्र

(iv) धीरेन्द्र वर्मा

उत्तर- (iii) डॉ0 सतेन्द्र

28. 'प्रस्तुत अर्थ को अस्वीकार करके आप अप्रस्तुत अर्थ को स्थापित किया जाता है-

(i) लोकोक्ति में

(ii) मुहावरे में

(iii) पहेली में

(iv) मुकरी में

उत्तर - (iv) मुकरी में

29. 'अपनी उंगुली पर नचाना' का अर्थ है-

(i) अपने संस्कारों का विकास

(ii) स्वार्थी होना

(iii) अपने कार्यों की जिम्मेदारी

(iv) अपने वश में रखना

उत्तर- (iv) अपने वश में रखना

30. 'मुख में राम बगल में छुरी' का अर्थ है-

(i) संकोची व्यक्ति

(ii) झूठी खुशी का प्रकटीकरण

(iii) असली व्यक्ति की पहचान

(iv) बाहर से मित्र भीतर से बैर

उत्तर- (iv) बाहर से मित्र भीतर से बैर

31. प्रायः लोरियों को प्रयोग किया जाता है-

(i) बच्चों के लिए

(ii) वृद्धों के लिए

(iii) पशुओं के लिए

(iv) पक्षियों के लिए

उत्तर-(i) बच्चों के लिए

32. 'यशोदा हरि पालने झुलावै' पंक्ति किसकी है-

(i) कबीरदास

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) बिहारी

उत्तर- (ii) सूरदास

33. घाघ का सम्बन्ध किसके जमाने से है?

(i) बाबर

(ii) हुमायूँ

(iii) अकबर

(iv) जहाँगीर

उत्तर-(iii) अकबर

34. निम्नलिखित में से किसका सम्बन्ध लोकोक्ति से नहीं है?

(i) लाल बुझक्कड़

(ii) माधोदास

(iii) हृदयराम

(iv) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

उत्तर- (iv) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

35. 'मुहावरे' को अंग्रेजी में कहा जाता है-

(i) idiom

(ii) synonyms

(iii) Antonym

(iv) unequivocal

उत्तर-(i) idiom

36. 'निन्यान्वें के फेर में पड़ना' मुहावरे का सही अर्थ है -

(i) धन जोड़ने में लगे रहना

(ii) मूर्खता के कार्य कर बैठना

(iii) किसी चक्कर में पड़ जाना

(iv) परिवार के झंझटों में फंसे रहना

उत्तर- (i) धन जोड़ने में लगे रहना

37. 'चिराग तले अन्धेरा' लोकोक्ति का सही अर्थ है -

(i) अपनी बुराई नहीं दीखना।

(ii) काम न जानना और बहाने बनाना।

(iii) न कारण होगा न कार्य होगा।

(iv) परिश्रम का फल अन्धेरे से उजाला लाता है।

उत्तर-(i) अपनी बुराई नहीं दीखना।

38. 'अन्धा होना' मुहावरे का अभिप्राय है -

(i) आँखों से दिखाई न देना

(ii) आँख से काना

(iii) विवेक भ्रष्ट होना

(iv) जहाँ धांधली का बोलबाला हो

उत्तर- (iii) विवेक भ्रष्ट होना

39. 'एक पंथ दो काज' मुहावरे का उचित अर्थ है -

(i) एक साथ दो-दो दोष

(ii) समय पर कार्य करना

(iii) एक प्रयत्न से दो काम हो जाना

(iv) एक राह पर दो लोग साथ होना

उत्तर- (iii) एक प्रयत्न से दो काम हो जाना

40- लोकोक्ति व मुहावरे में सही अन्तर है -

(i) मुहावरा पूर्ण वाक्य होता है, लोकोक्ति वाक्यांश मात्र होती है।

(ii) लोकोक्ति और मुहावरा, दोनों ही वाक्यांश मात्र होते हैं।

(iii) लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है, जबकि मुहावरा वाक्यांश मात्र होता है।

(iv) लोकोक्ति और मुहावरा, दोनों ही पूर्ण वाक्य होते हैं।

उत्तर- (iii) लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है, जबकि मुहावरा वाक्यांश मात्र होता है।

41. निम्नलिखित में से लोकोक्ति का चयन कीजिए -

(i) आँखे दिखाना

(ii) दाँत खट्टे करना

(iii) अंगारे उगलना

(iv) कौआ चले हंस की चाल

उत्तर- (iv) कौआ चले हंस की चाल

42. 'काम बिगड़ जाने के बाद पश्चात्ताप करना व्यर्थ है' हेतु उपयुक्त लोकोक्ति है -

(i) का वर्षा जब कृषि सुखाने

(ii) एक पापी सारी नाव डुबोता है

(iii) नाहि विष बेल अमिय फल पूरही

(iv) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

उत्तर- (iv) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

43. लोक साहित्य की भांति ही लोकोक्तियों का रचनाकार भी होता है-

(i) ज्ञात

(ii) अज्ञात

(iii) सर्वविदित

(iv) निर्विदित

उत्तर- (ii) अज्ञात

44. पहेलियों में प्रयुक्त उपमान लिए गये हैं-

(i) सम्भ्रांत समाज से

(ii) अशिक्षित समाज से

(iii) लोक जीवन से

(iv) प्रकृति से

उत्तर- (iii) लोक जीवन से

45. इतिहास से सम्बंधित मुहावरा है-

(i) बाँह छोड़ना

(ii) जौहर करना

(iii) पाप धोना

(iv) गंगा नहाना

उत्तर- (ii) जौहर करना

46. लोकोक्तियों को बाँटा जा सकता है-

(i) धार्मिक- नैतिक लोकोक्तियों में

(ii) सामाजिक लोकोक्तियों में

(iii) वैज्ञानिक मनोवैज्ञानिक लोकोक्तियों में

(iv) उपर्युक्त सभी में

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी में

47. पहेलियों की परम्परा है-

(i) नवीन

(ii) अर्वाचीन

(iii) प्राचीन

(iv) मध्ययुगीन

उत्तर- (iii) प्राचीन

48. 'बायीं आँख फड़कना' मुहावरे का अर्थ सम्बंधित है-

(i) शकुन- अपशकुन से

(ii) प्रोत्साहन से

(iii) विवाह से

(iv) प्रेम से

उत्तर-(i) शकुन- अपशकुन से

49. निम्नलिखित में से किसे प्रकीर्ण साहित्य में समाविष्ट किया गया है -

(i) लोकोक्तियों को

(ii) मुहावरों को

(iii) पहेलियों को

(iv) उपर्युक्त सभी को

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी को

50. 'वे संक्षिप्त वाक्य जिनको लोग प्रायः दोहराया करते हैं, लोकोक्ति कहलाते हैं।' उक्त परिभाषा है-

(i) रवीन्द्र भ्रमर

(ii) टी0 शिप्ले

(iii) डॉ0 जानसन

(iv) डॉ0 सहल

उत्तर- (iii) डॉ0 जानसन

UNIT - 7

हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम :

हिंदी का लोक साहित्य, इतिहासः अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिंदी का लोक साहित्य और बोलियाँ

इकाई 7- हिंदी लोक साहित्य का विकास क्रम

लोक असीम है, अनन्त है। संसार में जितने रूप लोक के हैं, उतने ही लोक साहित्य के हैं। लोक में संवेदना की जितनी व्यापकता और विविधता है, वो आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक संवेदनाओं के रूप में लोक भाषा में अभिव्यक्त होती है। लोक साहित्य समाज की विसंगतियों, परम्पराओं और संस्कृतियों को प्रस्तुत करता है। हिंदी लोक साहित्य एक ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसकी भावभूमि भारतीय संस्कृति से गहरी जुड़ी हुई है। यह साहित्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत के साथ संवेदनाओं और परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करता है। लोक साहित्य का विकास क्रम ससमय प्रगतिशील रहा है और इसका महत्त्व हर युग में उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है।

हिंदी लोक साहित्य का आरम्भ आदि काल से हुआ है। वैदिक काल से लेकर प्राचीन काल, मध्यकाल और आधुनिक काल तक, लोक साहित्य ने भारतीय जीवन और संस्कृति को प्रभावित किया है। प्राचीन काल में गीतों, कथाओं, किस्सों और लोकप्रिय कहानियों की रचना की गयी। इन रचनाओं में जीवन की अनुभूतियों, सांस्कृतिक मूल्यों और लोक परम्पराओं का प्रतिनिधित्व था, समाज से जुड़ी थीं। आदिकालीन साहित्य में सिद्धों, नाथों ने इसी लोक संस्कृति के माध्यम से जनमानस को प्रभावित किया।तो अमीर खुसरो ने अपनी मुकरियों एवं पहेलियों से लोक तत्त्व को स्पर्श किया।

मध्यकालीन भक्ति काल में संतों, सूफियों और सगुण भक्तिधारा के कवियों ने लोक साहित्य को नए मूल्यों और रूपों में परिवर्तित किया। संत कवियों ने लोकप्रिय भाषा में अपने भक्ति भावों को व्यक्त किया। उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण लोक तत्त्व की प्रधानता है। सूर, तुलसी जायसी जैसे कवियों ने पारम्परिक लोक धुनों को आधार बनाकर सृजनात्मक के माध्यम से लोक संस्कृति को प्रस्तुत किया। भक्ति आंदोलन के प्रभाव से लोकप्रिय कथाओं और भजनों की रचना होती रही। इस समय में लोक नाटकों का भी प्रचार और प्रसार हुआ, जो सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक संदेशों को व्यक्त करता था।

आधुनिक युग में हिंदी लोक साहित्य का विकास तेजी से हुआ। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, हिंदी लोक साहित्य ने जनजागरण कर उनके अन्तस् में राष्ट्रीय चेतना को

उद्भूत किया। जन संघर्षों में लोकप्रिय गीत, कविताएँ और कहानियों ने लोगों को राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक किया। तत्कालीन लोक साहित्य में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों का प्रभाव दिखने लगा। ग्रामीण जीवन और सामाजिक मुद्दों पर आधारित कहानियाँ, गीत और नाटकों का विकास हुआ। इस दौरान, नये साहित्यिक आंदोलनों ने भी हिंदी लोक साहित्य को नयी दिशा की ओर उन्मुख करने का प्रयास किया। इस युग की लोक कथाओं में सामाजिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत संदेशों का प्रतिनिधित्व बढ़ गया। प्रेरक कहानियों के माध्यम से समाज में जागरूकता और परिवर्तन की दिशा ने लोगों को प्रेरित किया।

इस काल मे हिंदी लोक साहित्य ने अनेक प्रतिभाशाली कवियों, लेखकों और लोकप्रिय व्यक्तियों को जन्म दिया। मुंशी प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, राही मासूम रज़ा इत्यादि जैसे महत्त्वपूर्ण साहित्यकारों ने हिंदी लोक साहित्य को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाया। आधुनिक युग में, डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव के चलते लोक साहित्य की मौखिक परम्पराओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, किन्तु इस दौर में भी, हिंदी लोक साहित्य अपनी सांस्कृतिक विरासत और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। आज लोक साहित्य इंटरनेट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रचारित और प्रसारित हो रहा है साथ ही साहित्यिक और कलाकारों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न कर रहा।

इस प्रकार, हिंदी लोक साहित्य का विकास क्रम अत्यंत विविध और समृद्ध है। यह साहित्य भारतीय संस्कृति और जीवन का अंतर्विस्तार है। हिंदी लोक साहित्य ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में जन-जन तक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश पहुँचाया है और आज भी यह साहित्य हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

MCQs

1. 'लोक' शब्द की निष्पत्ति 'लोकृ दर्शने' धातु में किस प्रत्यय के लगने से हुई है?

(i) घच्

(ii) अनीयर

(iii) क्तिन

(iv) क्तिः

उत्तर-(i) घच्

2. 'लोकृ दर्शने' धातु का अर्थ है-

(i) खेलना

(ii) घूमना

(iii) देखना

(iv) ताकना

उत्तर- (iii) देखना

3. भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र के किस अध्याय के अंतर्गत नाट्य धर्मी तथा लोक धर्मी प्रवृत्तियों का उल्लेख किया है?

(i) तेरहवें

(ii) चौदहवें

(iii) पन्द्रहवें

(iv) सोलहवें

उत्तर- (ii) चौदहवें

4. 'लोक शब्द का अर्थ जनपद या ग्राम में नहीं है बल्कि नगरों और गाँव में फैली हुई वह समूची जनता है, जिनके व्यावहारिक ज्ञान का आधार पोथियाँ नहीं है' उक्त परिभाषा है-

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(iii) डॉ0 धीरेंद्र वर्मा

(iv) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

उत्तर-(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल ने 'फोकलोर' शब्द का हिंदी अर्थ बताया है-

(i) ग्राम

(ii) लोकवार्ता

(iii) अशिक्षित

(iv) लोक संस्कृति

उत्तर- (ii) लोकवार्ता

6. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'फोकलोर' शब्द का हिन्दी रूपांतरण कहा है-

(i) ग्राम

(ii) लोकवार्ता

(iii) अशिक्षित

(iv) लोक संस्कृति

उत्तर- (iv) लोकसंस्कृति

7. 'आधुनिक सभ्यता से दूर अपनी सहज तथा प्राकृतिक अवस्था में वर्तमान तथाकथित असभ्य एवं अशिक्षित जनता को 'लोक' कहते हैं'
उक्त कथन है-

(i) आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) पं0 रामनरेश त्रिपाठी

(iii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(iv) डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

उत्तर- (iii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

8.' कथासरित्सागर' के रचनाकार हैं-

(i) गुणाढ्य

(ii) सोमदेव

(iii) विष्णुशर्मा

(iv) कालिदास

उत्तर- (ii) सोमदेव

9. सबसे प्राचीनतम वेद ऋग्वेद में 'लोक' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?

(i) जन के अर्थ में

(ii) शिष्ट समाज के अर्थ में

(iii) जनजातीय समाज के अर्थ में

(iv) राष्ट्र के अर्थ में

उत्तर- (i) जन के अर्थ में

10. नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित हिंदी साहित्य का इतिहास के किस खण्ड के अंतर्गत लोक साहित्य का विवेचन हुआ है?

(i) तेरहवें खण्ड

(ii) चौदहवें खण्ड

(iii) पन्द्रहवें खण्ड

(iv) सोलहवें खण्ड

उत्तर- (iv) सोलहवें खण्ड

11. 'गाथा सप्तसती' के रचनाकार हैं-

(i) हाल

(ii) विष्णुशर्मा

(iii) शारंगधर

(iv) धीरेन्द्र वर्मा

उत्तर-(i) हाल

12. 'लिंग्विस्टिक सर्वे आव इण्डिया' नामक ग्रंथ के लेखक हैं-

(i) इंशाअल्ला खां

(ii) सदल मिश्र

(iii) जार्ज ग्रियर्सन

(iv) लक्ष्मण सिंह

उत्तर- (iii) जार्ज ग्रियर्सन

13. किस वेद के अंतर्गत लोक शब्द से दो लोकों की स्थिति का बोध कराया गया है?

(i) ऋग्वेद

(ii) यजुर्वेद

(iii) सामवेद

(iv) अथर्ववेद

उत्तर- (iv) अथर्ववेद

14- भोजपुरी लोकगीतों का संग्रह 'भोजपुरी ग्राम्य गीत' नामक पुस्तक के संकलनकर्ता हैं-

(i) संकटा प्रसाद

(ii) पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी

(iii) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

(iv) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

उत्तर-(i) संकटा प्रसाद

15. 'ब्रज साहित्य मण्डल' की स्थापना किसने की?

(i) श्यामाचरण दुबे

(ii) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

(iii) श्रीकृष्ण नन्द गुप्त

(iv) डॉ0 उदयनारायण तिवारी

उत्तर- (ii) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

16- 'ब्रज साहित्य मण्डल' के प्रथम सभापति किसे बनाया गया?

(i) संकटा प्रसाद

(ii) पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी

(iii) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

(iv) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

उत्तर- (iii) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

17- 'लोक संस्कृति शोध संस्थान, प्रयाग' की स्थापना किसने की थी?

(i) पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी

(ii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(iii) डॉ0 श्यामाचरण दुबे

(iv) डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल

उत्तर-(ii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

18- किस साहित्यकार ने 'मारवाड़ के मनोहर गीत' का प्रकाशन किया?

(i) सूर्य किरण पारीक

(ii) रामनरेश त्रिपाठी

(iii) मोतीलाल मेनारिया

(iv) महेंद्र मानावत

उत्तर- (ii) रामनरेश त्रिपाठी

19. 'ढूँढाडी' किस बोली का दूसरा नाम है?

(i) जयपुरी

(ii) मेवाती

(iii) मारवाड़ी

(iv) अवधी

उत्तर-(i) जयपुरी

20. 'लोक' शब्द का प्रयोग हुआ है-

(i) उपनिषदों में

(ii) अथर्ववेद में

(iii) ब्राह्मण ग्रंथों में

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

21. तुलसीदास जी ने किस कृति के अंतर्गत 'लोक' शब्द का सार्थक प्रयोग किया?

(i) रामलला नहछू

(ii) विनयपत्रिका

(iii) रामचरित मानस

(iv) हनुमान बाहुक

उत्तर- (iii) रामचरित मानस

22. हिंदी साहित्य में लोक साहित्य के तत्त्वों का प्रारम्भ किस काल से होता है?

(i) आदिकाल

(ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल

(iv) आधुनिक काल

उत्तर-(i) आदिकाल

23. आदिकालीन साहित्य में लोक गृहीत छंदों का प्रयोग किस साहित्य में परिलक्षित होता है?

(i) सिद्ध साहित्य में

(ii) नाथ साहित्य में

(iii) जैन साहित्य में

(iv) रासो साहित्य में

उत्तर- (iv) रासो साहित्य में

24. लोकगाथा 'ढोला मारू रा दूहा' किस भाषा के अंतर्गत आता है?

(i) पंजाबी

(ii) राजस्थानी

(iii) हरियाणवी

(iv) ब्रज

उत्तर- (ii) राजस्थानी

25. हिन्दी साहित्य में प्रायः 'लोक' शब्द का प्रयोग किया जाता है-

(i) सामान्य जनता के लिए

(ii) शिष्ट लोगों के लिए

(iii) राजा के लिए

(iv) दुनिया के लिए

उत्तर-(i) सामान्य जनता के लिए

26. 'अवधी भाषा का विकास' नामक ग्रंथ के रचनाकार हैं-

(i) रामनरेश त्रिपाठी

(ii) बाबूराम सक्सेना

(iii) सुनीति कुमार चैटर्जी

(iv) नरोत्तम स्वामी

उत्तर- (ii) बाबूराम सक्सेना

27- ईसुरी कवि का सम्बंध किस साहित्य से है?

(i) अंग्रेजी साहित्य

(ii) फ्रेंच साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) उर्दू साहित्य

उत्तर- (iii) लोक साहित्य

28. निम्नलिखित में से किन कवियों का साहित्य 'लोक संस्कृति' से युक्त है-

(i) कबीरदास

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

29. सन्त साहित्य की लोकप्रियता का प्रमुख कारण है-

(i) लोक तत्त्व की प्रधानता

(ii) आदर्शवादिता

(iii) श्रृंगारिकता

(iv) प्रकृति चित्रण

उत्तर-(i) लोक तत्त्व की प्रधानता

30. पं0 रामनरेश त्रिपाठी के किस रचना में अवधी के गीत संकलित हैं?

(i) मिलन

(ii) पथिक

(iii) मानसी

(iv) कविता कौमुदी

उत्तर- (iv) कविता कौमुदी

31. लोक साहित्य की सार्थकता निहित है-

(i) उसकी अनेकरूपता में

(ii) उसकी संरचना में

(iii) उसकी विविधता में

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

32. आधुनिक काल के रचनाकारों ने किन लोक धुनों पर गीतों की रचना की है-

(i) कजली

(ii) लावणी

(iii) ख्याल

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

33. भारतेंदु हरिश्चंद्र का कौन-सा नाटक लोकनाट्य शैली से प्रभावित है?

(i) अंधेर नगरी

(ii) धनंजय विजय

(iii) मुद्रा राक्षस

(iv) नील देवी

उत्तर-(i) अंधेर नगरी

34. 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय' उक्त के रचनाकार हैं-

(i) कबीरदास

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) अमीर खुसरो

उत्तर-(i) कबीरदास

35. निम्नलिखित में से किस अध्ययन विधि के माध्यम से लोक कथाओं एवं गीतों में पाये जाने वाले तत्वों की पहचान की जा सकती है?

(i) परिमाणात्मक विधि

(ii) गुणात्मक विधि

(iii) वर्णानात्मक विधि

(iv) विवेचनात्मक विधि

उत्तर- (ii) गुणात्मक विधि

36. लोक साहित्य के अध्ययन की सीमा है-

(i) सीमित

(ii) कोई सीमा नही

(iii) अत्यन्त अल्प

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (ii) कोई सीमा नही

37. 'लोक साहित्य की भूमिका' के लेखक हैं-

(i) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(ii) डॉ0 नगेन्द्र

(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल

(iv) डॉ0 धीरेंद्र वर्मा

उत्तर- (i) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

38. लोक साहित्य से सन्दर्भित पत्रिका 'ब्रजभारती' किस भाषा से सम्बंधित है-

(i) अवधी

(ii) भोजपुरी

(iii) ब्रज

(iv) राजस्थानी

उत्तर- (iii) ब्रज

39. हिन्दी साहित्य के किस समीक्षक ने 'लोक मंगल' और ' लोकरंजन' शब्दों का प्रयोग प्रमुखता से किया है?

(i) आ0 रामचन्द्र शुक्ल

(ii) डॉ0 नगेन्द्र

(iii) डॉ0 नामवर सिंह

(iv) डॉ0 मैनेजर पाण्डेय

उत्तर-(i) आ0 रामचन्द्र शुक्ल

40. आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य भी परिपूरित है-

(i) लोक तत्त्वों से

(ii) श्रृंगारिकता से

(iii) आदर्शवाद से

(iv) विखण्डनवाद से

उत्तर-(i) लोक तत्त्वों से

41. लोक साहित्य का अध्ययन केवल वर्तमान भाषा एवं साहित्य पर ही नहीं पड़ता अपितु वह परिवर्तित कर देता है-

(i) इतिहास की गति को

(ii) समाज की गति को

(iii) भूगोल की गति को

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(i) इतिहास की गति को

42. 'भोजपुरी' बोली किसके अंतर्गत आती है?

(i) पश्चिमी हिन्दी

(ii) पूर्वी हिन्दी

(iii) बिहारी

(iv) पहाड़ी

उत्तर- (iii) बिहारी

43. 'आल्हाखण्ड' किस बोली से सम्बंधित है?

(i) बुन्देली

(ii) राजस्थानी

(iii) अवधी

(iv) ब्रज

उत्तर-(i) बुन्देली

44. निम्नलिखित विद्वानों में से किसने 'लोक' शब्द का प्रयोग किया है?

(i) वररुचि

(ii) पतंजलि

(iii) पाणिनी

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(iv) उपर्युक्त सभी

45. 'लोक समाज का वह वर्ग है जो अभिजात्य संस्कार, शास्त्रीयता और पाण्डित्य की चेतना और अहंकार से शून्य है, जो अपने परम्परा प्रवाह में जीवित है।' उक्त परिभाषा दी गयी है-

(i) हिंदी साहित्य कोश

(ii) अमरकोश

(iii) वृहद साहित्य कोश

(iv) ऑक्सफोर्ड शब्दकोश

उत्तर-(i) हिंदी साहित्य कोश

46. लोक साहित्य में उपलब्ध है-

(i) लोक नाट्य

(ii) लोक गीत

(iii) लोककथा

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

47- 'जनपद' नामक त्रैमासिक शोध पत्रिका का प्रकाशन कहाँ से शुरू हुआ था?

(i) प्रयाग

(ii) बनारस

(iii) लखनऊ

(iv) राजस्थान

उत्तर- (ii) बनारस

48. डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय ने अध्ययन की दृष्टि से हिंदी की बोलियों के इतिहास को कितने कालखण्डों में विभाजित किया है?

(i) तीन

(ii) चार

(iii) पाँच

(iv) दो

उत्तर- (ii) चार

49. 'होइए वही जो राम रचि राखा' उक्ति है-

(i) जायसी

(ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास

(iv) भारतेंदु हरिश्चंद्र

उत्तर-(iii) तुलसीदास

50. भक्ति कालीन कवियों की रचनाएं समाज के लिए थीं-

(i) प्रेरणादायक

(ii) प्रोत्साहक

(iii) उत्प्रेरक

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

UNIT - 8

हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय

(इस इकाई में सम्बन्धित विश्वविद्यालय/संस्था अपनी सुविधानुसार आंचलिक लोक साहित्य के बारे में अध्ययन कराएंगे)

इकाई 8- हिंदी क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय

क्षेत्रीय लोक साहित्य भारतीय साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, जो भारतीय सभ्यता की विविधता और समृद्धता को प्रस्तुत करता है। यह साहित्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कि उत्तर, मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी भारत में विकसित हुआ और इसका विस्तार समृद्ध और विविध है। हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य की विशेषता यह है कि यह जनसामान्य के जीवन के अनुभवों, भावनाओं, और संस्कृति के प्रति एक संवेदनशीलता और सामर्थ्य को प्रतिबिम्बित करता है।

हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य का अर्थ उस साहित्यिक धारा को समझने से है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों के अंतर्निहित रूपों को व्यक्त करता है, जो संघर्ष, प्रेम, उत्साह, और उन्नति के विभिन्न पहलुओं का समर्थन करता है। इसे आम जनमानस की साहित्यिक परम्परा के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। क्षेत्रीय लोक साहित्य अपने क्षेत्र विशेष की सांस्कृतिक विरासत की जीवंतता हेतु परम्परागत रूप से चले आ रहे हैं। यह साहित्य जन सामान्य को उनकी आत्मिक स्थिति को समझने एवं साहित्यिक अनुभवों को साझा करने में समर्थ बनाता है। यह एक सामाजिक संवाद का माध्यम है, जो लोगों के बीच सम्बंध बनाता है और उन्हें उनकी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक कराता है। यह साहित्य जीवन की वास्तविकता से प्रेरित होकर क्षेत्रीय कथाओं, गीतों, और किस्सों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के मानवीय अनुभवों को प्रस्तुत करता है।

हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य के प्रमुख रूपों में गाथाएं, कथाएं, नाट्य और गीत शामिल हैं। इन रूपों में समाज की विभिन्न अवधारणाओं, परम्पराओं, और संस्कृतियों को संजीवित किया जाता है, साथ ही विवरणपूर्ण एवं रोमांचक कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। यह साहित्य सामान्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होता है, लेकिन आधुनिकीकृत रूपों में यह शहरी क्षेत्रों में भी पाया जाता है। हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य का विकास और प्रसार विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग है। उत्तर भारत में यह अक्सर श्रवणीय कथाओं के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जो सम्पूर्णत: स्थानीय चेतना, परम्पराओं, और संस्कृतियों का प्रतिबिम्ब होता है। मध्य भारत में हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य का विकास ज्यादातर उपनिवेशीय विषयों पर जैसे जीवन की जटिलताओं, प्रेम और विवाह, और समाज की समस्याओं पर केंद्रित है। पश्चिमी

भारत में लोक साहित्य विभिन्न रसों को प्रस्तुत करता है, जैसे कि हास्य, व्यंग्य, और श्रृंगार आदि। दक्षिण भारत में लोक साहित्य भगवान, भक्ति, और प्राकृतिक उत्साह के विषयों पर केंद्रित है। हिंदी क्षेत्र के अंतर्गत हिंदी बोलियों की क्षेत्रीयता में उनकी लोक संस्कृति, परम्परा एवं मानवीयता परिलक्षित होती है।

हिंदी भाषी क्षेत्र के लोक साहित्य के उत्कृष्ट उदाहरण गाथाएं और किस्से ; जैसे कि 'आल्हा', 'पंचतंत्र', और 'चौरासी कोस' इत्यादि हैं। ये कथाएं और गाथाएं आम जनता के मर्म को स्पर्श कर प्रेरित करतीं हैं और उनकी भावनाओं और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं। इनके अंतर्निहित संदेश और सीख समाज में नैतिकता और न्याय की महत्ता को प्रकट करते हैं।

इसके अतिरिक्त, हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य में गीतों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। ये गीत सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर आधारित होते हैं और लोगों की आत्मिक भावनाओं को स्पष्टतः व्यक्त करते हैं। गायकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले लोक गीत और भजन लोगों के दिलों को छूने वाले होते हैं और हमें सामाजिक एकत्व से परिपूरित करते हैं।

क्षेत्रीय लोक नाटक अपने मंचन के माध्यम से आमजन को समाज की यथार्थता से परिचित कराते हैं। साथ ही अपनी पौराणिक एवं ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत के गौरव का गुणगान कर अभिप्रेरित करते हैं।

हिंदी क्षेत्रीय लोक साहित्य भारतीय समाज की अनुपम धरोहर है। यह विविधता, समृद्धता, और सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है और इसका महत्त्व समाज की भाषा, संस्कृति, और इतिहास के लिए अत्यधिक है। इसे जीवंत रखना और समृद्ध करना हमारी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाता है और हमें हमारी भूमिका और अनुसरणीय दिशा को समझने में मदद करता है।

MCQs

1. 'अवधी और उसका साहित्य' ग्रंथ के रचनाकार हैं-

(i) डॉ0 त्रिलोकी नारायण दीक्षित

(ii) पं0 रामनरेश त्रिपाठी

(iii) प्रो0 इंदु प्रकाश पाण्डेय

(iv) डॉ0 विद्या बिंदु सिंह

उत्तर-(i) डॉ0 त्रिलोकी नारायण दीक्षित

2. अवध प्रदेश अन्य नाम से भी जाना जाता है-

(i) अयोध्या

(ii) कोसल

(iii) साकेत

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

3. 'रामलीला' अवधी का अत्यंत लोकप्रिय है-

(i) लोकगीत

(ii) लोकनाट्य

(iii) प्रकीर्ण साहित्य

(iv) साहित्य

उत्तर- (ii) लोकनाट्य

4. निम्नलिखित में से कौन अवधी के लोक नाटकों में नहीं आता है?

(i) रामलीला

(ii) नौटंकी

(iii) रासलीला

(iv) आल्हखण्ड

उत्तर- (iv) आल्हखण्ड

5. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति अवधी भाषा में लिखित नहीं है?

(i) मृगावती

(ii) मधुमालती

(iii) विनयपत्रिका

(iv) रामचरित मानस

उत्तर- (iii) विनयपत्रिका

6. 'अवधी लोकगीतों का विवेचनात्मक अध्ययन' ग्रंथ के लेखक हैं-

(i) डॉ0 विद्या बिंदु सिंह

(ii) डॉ0 सरोजिनी रोहतगी

(iii) डॉ0 त्रिलोकी नारायण दीक्षित

(iv) डॉ0 बाबूराम सक्सेना

उत्तर-(i) डॉ0 विद्या बिंदु सिंह

7. निम्नलिखित में से कौन-सी लोक कथा अवधी भाषा से सम्बंधित नहीं है?

(i) ध्रुव कुमार

(ii) राजा भरथरी

(iii) श्रवण कुमार

(iv) हीर राँझा

उत्तर- (iv) हीर राँझा

8. अवधी भाषा के ऋतु गीत 'बारहमासा' गीत है-

(i) मनोरंजन गीत

(ii) श्रृंगारिक गीत

(iii) विरहगीत

(iv) प्रेम गीत

उत्तर- (iii) विरहगीत

9. निम्नलिखित में से कौन-सा गीत होली के अवसर पर नहीं गया जाता है?

(i) फाग

(ii) फगुआ

(iii) चौताल

(iv) कजली

उत्तर- (iv) कजली

10. 'छत्तीसगढ़ी भाषा अर्धमागधी की दुहिता एवं अवधी की सहोदरा है' युक्त परिभाषा है-

(i) सुन्दरलाल शर्मा

(ii) श्रीप्यारे लाल गुप्त

(iii) डॉ0 सत्यभामा आडिल

(iv) डॉ0 सुरेन्द्र दुबे

उत्तर- (ii) श्रीप्यारे लाल गुप्त

11. छत्तीसगढ़ी के आदि कवि का दर्जा किसे दिया जाता है?

(i) हरि ठाकुर

(ii) धर्मदास

(iii) कबीरदास

(iv) सुंदरदास

उत्तर- (ii) धर्मदास

12. धर्मदास के पदों का संकलन किसने किया?

(i) हरि ठाकुर

(ii) बाबू रेवाराम

(iii) सुंदरलाल शर्मा

(iv) वंशीधर पाण्डेय

उत्तर-(i) हरि ठाकुर

13. 'छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य' पुस्तक के लेखक हैं- डॉ0 सत्यभामा आडिल

(i) सुंदरलाल शर्मा

(ii) सुखलाल पाण्डेय

(iii) वंशीधर पाण्डेय

(iv) डॉ0 सत्यभामा आडिल

उत्तर- (iv) डॉ0 सत्यभामा आडिल

14. छत्तीसगढ़ी मासिक पत्रिका 'दुलरूबा' के सम्पादक थे-

(i) श्रीप्यारे लाल गुप्त

(ii) बाबू रेवाराम

(iii) नरेन्द्रदेव वर्मा

(iv) सुंदरलाल शर्मा

उत्तर- (iv) सुंदरलाल शर्मा

15. प्रायः अवध क्षेत्र की महिलाएँ छठी की पूजा किस हेतु करती हैं?

(i) विवाह हेतु

(ii) बच्चों की मंगलकामना हेतु

(iii) अर्थ हेतु

(iv) पति की मंगलकामना हेतु

उत्तर- (ii) बच्चों की मंगलकामना हेतु

16. अवधी की लोक कथाओं को कहा जाता है-

(i) जैतसार

(ii) पाँवड़ा

(iii) कजली

(iv) स्वांग

उत्तर- (ii) पाँवड़ा

17. आचार्य चतुरसेन शास्त्री ने बघेल खण्ड का परिचय अपने किस उपन्यास के अंतर्गत दिया है?

(i) सोमनाथ

(ii) वयं रक्षामः

(iii) वैशाली की नगरवधू

(iv) आलमगीर

उत्तर- (ii) वयं रक्षामः

18. किस भूखण्ड को शेषनाग के अवतार लक्ष्मण की राजधानी भी कहा जाता है?

(i) अवध क्षेत्र

(ii) बघेल खण्ड

(iii) बुन्देल खण्ड

(iv) छत्तीसगढ़

उत्तर- (ii) बघेल खण्ड

19. 'बघेली की शब्द परम्परा' ग्रंथ के रचनाकार हैं-

(i) अयोध्या प्रसाद सिंह

(ii) लखन प्रताप सिंह

(iii) डॉ0 भगवती प्रसाद

(iv) भागवत पाठक

उत्तर-(i) अयोध्या प्रसाद सिंह

20. 'बघेली' किस हिन्दी के अंतर्गत आती है-

(i) पूर्वी हिन्दी

(ii) पश्चिमी हिन्दी

(iii) बिहारी

(iv) राजस्थानी

उत्तर-(i) पूर्वी हिन्दी

21. निम्नलिखित में से कौन-से रचनाकार बघेली के अंतर्गत नहीं आते हैं-

(i) भागवत पाठक

(ii) हरिदास बघेली

(iii) धीरेन्द्र त्रिपाठी

(iv) श्रीप्यारे लाल गुप्त

उत्तर- (iv) श्रीप्यारे लाल गुप्त

22. मध्य प्रदेश में विंध्य की तलहटी में जो पठार है, उसे कहते हैं-

(i) मालवा

(ii) बुंदेली

(iii) मारवाड़ी

(iv) जयपुरी

उत्तर-(i) मालवा

23. मालवी का पहला कवि किसे माना जाता है?

(i) संत धन्ना

(ii) संत पीपा

(iii) संत कबीरदास

(iv) संत रैदास

उत्तर- (ii) संत पीपा

24. निम्नलिखित में से किस ग्रंथ के अंतर्गत मालवों का उल्लेख मिलता है?

(i) अष्टाध्यायी

(ii) महाभाष्य

(iii) साहित्यदर्पण

(iv) दशकुमारचरित

उत्तर-(i) अष्टाध्यायी

25. 'मालवी लोकगीत' के सम्पादक थे-

(i) डॉ0 श्याम परमार

(ii) पं0 सूर्य नारायण

(iii) गौरी शंकर द्विवेदी

(iv) श्रीचंद्र जैन

उत्तर-(i) डॉ0 श्याम परमार

26. राहुल सांकृत्यायन ने खड़ी बोली को कौन-सा नाम दिया-

(i) बैसवारा

(ii) कौरवी

(iii) बघेली

(iv) सरगुजिया

उत्तर- (ii) कौरवी

27. गिलक्राइस्ट ने 'खड़ी' का अर्थ माना है-

(i) कर्कश

(ii) प्रचलित

(iii) परिनिष्ठित

(iv) कठिन

उत्तर- (iii) परिनिष्ठित

28. खड़ीबोली का मूल केंद्रीय क्षेत्र है-

(i) लखनऊ

(ii) कानपुर

(iii) बनारस

(iv) मेरठ

उत्तर- (iv) मेरठ

29. निम्नलिखित में से किसने मेरठ में 'कुरु लोक संस्थान' संस्था की स्थापना की?

(i) राहुल सांकृत्यायन

(ii) डॉ0 कृष्णचन्द्र शर्मा

(iii) सत्या गुप्ता

(iv) डॉ0 हीरालाल

उत्तर- (ii) डॉ0 कृष्णचन्द्र शर्मा

30. समकालीन साहित्य की साहित्यिक भाषा है-

(i) ब्रज

(ii) खड़ीबोली

(iii) भोजपुरी

(iv) राजस्थानी

उत्तर- (ii) खड़ीबोली

31. निम्नलिखित में से कौन-सा बुंदेली लोक साहित्य का कवि नहीं है?

(i) ईसुरी

(ii) ख्यालीराम

(iii) गंगाधर

(iv) नामदेव

उत्तर- (iv) नामदेव

32. 'ईसुरी परिषद' की स्थापना कहाँ हुई थी?

(i) झाँसी

(ii) लखनऊ

(iii) कानपुर

(iv) मेरठ

उत्तर-(i) झाँसी

33. 'बुंदेलखण्डी लोकगीत' की रचना किसने की?

(i) श्रीचन्द्र जैन

(ii) डॉ0 गौरीशंकर द्विवेदी

(iii) पं0 शिवसहाय चतुर्वेदी

(iv) पं0 सूर्यनारायण व्यास

उत्तर- (iii) पं0 शिवसहाय चतुर्वेदी

34. आचार्य भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में 'सट्टक' को एक भेद माना है-

(i) रस का

(ii) अलंकार का

(iii) नाटक का

(iv) काव्य का

उत्तर- (iii) नाटक का

35. 'नौटंकी लोकगीतों और उर्दू कविता के मिश्रण से पनपी है।' उक्त कथन है-

(i) रामबाबू सक्सेना

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) गोरेलाल साहू

(iv) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर-(i) रामबाबू सक्सेना

36. निम्नलिखित में से किसे छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रथम लघुकथा एवं हाइकू संग्रह रचना का गौरव प्राप्त है?

(i) राजेश चौहान

(ii) सुंदरलाल शर्मा

(iii) मुकुलधर पाण्डेय

(iv) डॉ0 राजेन्द्र सोनी

उत्तर- (iv) डॉ0 राजेन्द्र सोनी

37. निम्नलिखित में से कौन अवधी भाषा के कवि नही हैं?

(i) बलभद्र दीक्षित

(ii) रमई काका

(iii) दयाशंकर दीक्षित

(iv) लोचनप्रसाद पाण्डेय

उत्तर- (iv) लोचनप्रसाद पाण्डेय

38. अवध क्षेत्र में रामलीला और रासलीला में पौराणिक चरित्र के माध्यम से आम जनमानस के सामने प्रस्तुत करने का ध्येय क्या है?

(i) सामाजिक विसंगतियों को उद्घाटित करना

(ii) सामाजिक विडम्बना की प्रस्तुति

(iii) आदर्श रूप को स्थापित करना

(iv) मनोरंजन करना

उत्तर- (iii) आदर्श रूप को स्थापित करना

39. 'शिवसंहिता' में बघेलखण्ड को क्या कहा गया है?

(i) अरुणाचल प्रदेश

(ii) हिमाचल प्रदेश

(iii) वरुणाचल प्रदेश

(iv) बाघ प्रदेश

उत्तर- (iii) वरुणाचल प्रदेश

40. निम्नलिखित में से किसका सम्बन्ध मालवा से रहा है-

(i) विक्रमादित्य का

(ii) भर्तृहरि का

(iii) भोज का

(iv) उपर्युक्त सभी का

उत्तर-(i) विक्रमादित्य का

41. खड़ीबोली को अन्य नामों से भी जाना जाता है-

(i) कौरवी

(ii) सरहिन्दी

(iii) वर्नाक्यूलर

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

42. नौटंकी का उद्भव माना जाता है-

(i) 12वीं - 13वीं शताब्दी

(ii) 13वीं - 14वीं शताब्दी

(iii) 14वीं - 15वीं शताब्दी

(iv) 11वीं - 12वीं शताब्दी

उत्तर- (iv) 11वीं - 12वीं शताब्दी

43. 1930 ई0 में किस प्रथम महिला कलाकार ने नौटंकी में प्रवेश किया?

(i) रामदेवी

(ii) गुलाब बाई

(iii) महादेवी

(iv) सपना बाई

उत्तर- (ii) गुलाब बाई

44. निम्नलिखित में से कौन-सी नौटंकी कानपुर शैली के अंतर्गत आती है-

(i) तमाशा

(ii) स्वांग

(iii) ख्याल

(iv) कथा

उत्तर- (ii) स्वांग

45. निम्नलिखित में से किन छंदों का प्रयोग नौटंकी में किया जाता है?

(i) दोहा

(ii) लावणी

(iii) चौबोला

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

46. बुन्देली लोक साहित्य का क्षेत्र है-

(i) व्यापक

(ii) सीमित

(iii) संकुचित

(iv) अत्यल्प

उत्तर-(i) व्यापक

47. वह कौन-सी विधा है, जिसमें गायन पूर्व में होता और संगीत बाद में बजता है?

(i) नौटंकी

(ii) माच

(iii) बिदेसिया

(iv) रोपना

उत्तर-(i) नौटंकी

48. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में 'नौटंकी' का स्तर है-

(i) शिक्षाप्रद

(ii) मनोरंजक

(iii) लोकप्रिय

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

49. हिन्दी भाषा की कितनी बोलियाँ हैं?

(i) सत्रह

(ii) अट्ठारह

(iii) उन्नीस

(iv) बीस

उत्तर- (ii) अट्ठारह

50. निम्नलिखित में से कौन- सी बोली पूर्वी हिंदी के अंतर्गत नहीं आती है?

(i) अवधी

(ii) बघेली

(iii) छत्तीसगढ़ी

(iv) भोजपुरी

उत्तर- (iv) भोजपुरी

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
आरोह तमसो ज्योतिं
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR

मॉडल प्रश्नपत्र

MCQs

1. जन संस्कृति का सच्चा तथा सजीव चित्रण किस साहित्य में मिलता है?

(i) शिष्ट साहित्य

(ii) लोक साहित्य

(iii) पाश्चात्य साहित्य

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (ii) लोक साहित्य

2. ऐसा साहित्य जिसमें व्यक्ति विशेष का चिंतन या विश्लेषण न होकर सामूहिक चेतना, अनुभवों व संवेदनाओं की अभिव्यक्ति रहती है, कहलाता है ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) सामान्य साहित्य

(iv) पाश्चात्य साहित्य

उत्तर - (i) लोक साहित्य

3. किस प्रकार के साहित्य का आधार लिखित ना होकर मौखिक होता है ?

(i) पाश्चात्य साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) लोक साहित्य

4. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता लोक साहित्य की नहीं है?

(i) लोक साहित्य का क्षेत्र बहुत व्यापक होता है।

(ii) आदिम जीवन का लोक साहित्य से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।

(iii) ये मौखिक परम्परा का साहित्य है ।

(iv) ये पूर्णत: कृत्रिम होता है ।

उत्तर - (iv) ये पूर्णतः कृत्रिम होता है।

5. निम्नलिखित में से लोकगीत का उदाहरण नहीं है?

(i) संस्कार गीत

(ii) श्रम गीत

(iii) ऋतु गीत

(iv) हाइकू

उत्तर - (iv) हाइकू

6. "लोक शब्द का अर्थ जनपद या ग्राम्य नहीं है, बल्कि नगरों और गाँव में फैली हुई वह समस्त जनता है, जिसके व्यवहारिक ज्ञान का आधार पोथियाँ नहीं हैं।" उपर्युक्त परिभाषा किसने दी है ?

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) धीरेन्द्र वर्मा

(iii) डॉ. सत्येंद्र

(iv) कृष्णदेव उपाध्याय

उत्तर - (i) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

7. लोक साहित्य का क्षेत्र है ?

(i) संकुचित

(ii) व्यापक

(iii) सीमित

(v) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) व्यापक

8. अंग्रेजी शब्द 'फोक लिटरेचर' का हिन्दी अनुवाद होगा ?

(i) लोकगीत

(ii) लोककथा

(iii)लोकनाट्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

9. कौन सा साहित्य उतना ही प्राचीन है जितना कि मानव ?

(i) संस्कृत साहित्य

(ii) देशी साहित्य

(iii) अंग्रेजी साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

10. किस साहित्य के अन्तर्गत ऋतु विद्या, स्वास्थ्य विज्ञान तथा कृषि विज्ञान आदि से सम्बद्ध साहित्य आता है ?

(i) लोक साहित्य में

(ii) संस्कृत साहित्य में

(iii) पाश्चात्य साहित्य में

(iv) विशेष साहित्य में

उत्तर - (i) लोक साहित्य में

11. लोक साहित्य देन है ?

(i) कवियों की

(ii) लेखकों की

(iii) विशिष्ट जनों की

(iv) लोक सामान्य की

उत्तर - (iv) लोक सामान्य की

12. 'यदि किसी देश की संस्कृति का अध्ययन करना है ,तो पहले लोक साहित्य का अध्ययन करना होगा' यह कथन है ?

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) आंशिक सत्य

(iv) आंशिक असत्य

उत्तर - (i) सत्य

13. विद्वानों द्वारा किस साहित्य को अपौरुषेय कहा गया है?

(i) शिष्ट साहित्य को

(ii) प्रौढ़ साहित्य को

(iii) पूर्ण साहित्य को

(iv) लोक साहित्य को

उत्तर - (iv) लोक साहित्य को

14. जनता के व्यापक जनसमूह की सभी मौलिक सर्जनाओं का परिणाम है ?

(i) धार्मिक साहित्य

(ii) बौद्धिक साहित्य

(iii) संस्कृत साहित्य

(iv) लोक साहित्य

उत्तर - (iv) लोक साहित्य

15. लोक की कृति जब नाटक के रूप में किसी कथावृत को प्रस्तुत करती है तो उसे कहते है?

(i) लोकगाथा

(ii) लोकगीत

(iii) लोकनाटक

(iv) लोककविता

उत्तर - (iii) लोकनाटक

16. शिष्ट भाषा को शब्द भण्डार के लिए किस भाषा की सहायता लेनी पड़ती है ?

(i) लोक भाषा की

(ii) संस्कृत भाषा की

(iii) प्राकृत भाषा की

(iv) पालि भाषा की

उत्तर - (i) लोक भाषा की

17. किस साहित्य ने शिष्ट साहित्य को पृष्ठभूमि दी है ?

(i) लोक साहित्य ने

(ii) संस्कृत साहित्य ने

(iii) परिनिष्ठित साहित्य ने

(iv) लिखित साहित्य ने

उत्तर - (i) लोक साहित्य ने

18. सहज, सरल, अकृत्रिम तथा स्वत: स्फूर्त होने वाला साहित्य कौन सा है?

(i) शिष्ट साहित्य

(ii) संस्कृत साहित्य

(iii) लोक साहित्य

(iv) परिनिष्ठित साहित्य

उत्तर - (iii) लोक साहित्य

19. शिष्ट साहित्य का कलेवर होता है?

(i) लिखित

(ii) मौखिक

(iii) चित्रात्मक

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लिखित

20. वर्तमान समय में किस साहित्य को लिपिबद्ध किया जाने का प्रयास हो रहा है?

(i) लोक साहित्य को

(ii) शिष्ट साहित्य को

(iii) परिनिष्ठित साहित्य को

(iv) संस्कृत साहित्य को

उत्तर - (i) लोक साहित्य को

21. मानव समाज में एक वर्ग अपने आचार , विचार, संस्कार और औपचारिक बंधनों के कारण, सामान्य जन से अलग होता है, उसे किस नाम से सम्बोधित करते हैं?

(i) लोक

(ii) आभिजात्य वर्ग

(iii) जनता

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) आभिजात्य वर्ग

22. लोक साहित्य का तर्क एवं नियमों के बंधन से कोई सम्बंध नहीं होता' यह कथन है ?

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) अर्द्धसत्य

(iv) आंशिक सत्य

उत्तर - (ii) सत्य

23. किस प्रकार के साहित्य में मौखिक परम्परा का कोई स्थान नहीं होता ?

(i) शिष्ट साहित्य में

(ii) लोक साहित्य में

(iii) दोनों में

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) शिष्ट साहित्य में

24. समाज का वह वर्ग जो शास्त्रीयता , पांडित्य की चेतना तथा अहंकार से शून्य होता है, क्या कहलाता है ?

(i) शिष्ट

(ii) पण्डित

(iii) लोक

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) लोक

25. सूर , तुलसी , कबीर , विद्यापति आदि कवियों का साहित्य लोक तत्व से पूर्ण है।' यह कथन है ?

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) अज्ञात

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) सत्य

26. कथ्य और शिल्प दोनों दृष्टियों से लोकसाहित्य से भिन्न होता है ?

(i) जन साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) ग्रामीण साहित्य

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (ii) शिष्ट साहित्य

27. शिष्ट साहित्य व लोक साहित्य अलग होते हुए भी ____?

(i) एक दूसरे के पूरक है।

(ii) विरोधी है ।

(iii) दोनों है।

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) एक दूसरे के पूरक है ।

28. 'संस्कृति' शब्द किससे जुड़ी हुई है?

(i) मानव जीवन से

(ii) लोक जीवन से

(iii) साहित्यिक जीवन से

(iv) सामान्य जीवन से

उत्तर - (i) मानव जीवन से।

29. मनुष्यता के विकास में संस्कृति किन प्रवृत्तियों से युक्त होकर चलती है -

(i) मूल परंपरा के मर्म को सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति

(ii) परंपरा में संशोधन-संवर्धन की प्रवृत्ति।

(iii) लोक द्वारा विरोधी प्रवृत्तियों के समन्वय की प्रक्रिया

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

30. "जन-संस्कृति का जैसा सच्चा तथा सजीव चित्रण इसमें उपलब्ध होता है, वैसा अन्यत्र नहीं।" डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय का यह कथन किससे संबंध है-

(i) अलौकिक साहित्य से

(ii) शिष्ट साहित्य से

(iii) लोक साहित्य से

(iv) नगरीय जीवन से

उत्तर - (iv) लोक साहित्य से।

31. लोक-संस्कृति के अंग है-

(i) लोक-मान्यताएँ (प्रथाएं, परंपराएं, अंधविश्वास आदि)

(ii) रीति-रिवाज (लोक-व्यवहार, रहन-सहन, खान-पान, तीज-त्यौहार आदि)

(iii) लोक साहित्य (लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाटक, लोकोक्तियां, मुहावरे आदि)

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी।

32. "आधुनिक साहित्य की नवीन प्रवृत्तियों में लोक का प्रयोग गीत, वार्ता, कथा, संगीत, साहित्य आदि से युक्त होकर साधारण जन-समाज, जिसमें पूर्व परंपराएँ, भावनाएँ, विश्वास और आदर्श सुरक्षित हैं तथा जिसमें भाषा और साहित्यगत सामग्री ही नहीं, अपितु अनेक विषयों के अनगढ़, किंतु ठोस रत्न छिपे हैं, के अर्थ में होता है।" लोक साहित्य की यह परिभाषा-

(i) पूर्णतः सत्य है।

(ii) अंशतः सत्य है।

(iii) पूर्णतः असत्य है।

(iv) अंशतः असत्य है।

उत्तर - (iv) पूर्णतः सत्य है।

33. राष्ट्रीय एकता का अर्थ है - देश के विभिन्न राज्यों के व्यक्तियों की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तथा भाषा विषयक भिन्नताओं को वांछनीय सीमा के अंतर्गत रखना और उनमें भारत की एकता का समावेशन करना।'- यह कथन है-

(i) सही

(ii) अंशतः सही

(iii) गलत

(iv) कह नहीं सकते।

उत्तर - (i) सही

34. लोक संस्कृति में महत्ता है-

(i) धार्मिक विश्वासों की

(ii) पूजा-उपासना पद्धतियों की

(iii) धर्म की

(iv) उपर्युक्त सभी की।

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी की।

35. मनुष्य को अधोगति से ऊर्ध्वगति की ओर ले जाने का माध्यम है-

(i) संस्कृति

(ii) संस्कृत

(iii) कला

(iv) उपर्युक्त सभी।

उत्तर - (i) संस्कृति

36. लोक-संस्कृति के अन्तर्गत चौक-पूरना अंग है -

(i) लोककथा का

(ii) लोककला का

(iii) लोकगाथा का

(iv) लोक साहित्य का

उत्तर -(ii) लोककला का

37. "भाई से विछिन्न बहन की करूण कथा, सौत के, ननद के और सास के अकारण निक्षिप्त वाक्य बाणों से विद्ध बहू की मर्म कहानी, साहूकार, जमीदार और महाजन के सताए गरीबों की करूण पुकार, आन पर कुर्बान हो जाने वाले विस्मृत वीरों की शौर्य गाथा, अपहार्यमाण सती का वीरत्वपूर्ण आत्मघात, नई जवानी के प्रेम के प्रतिघात, प्रियतम के मिलन, विरह और मातृप्रेम के अकृत्रिम भाव इन गीतों में भरे पड़े हैं।" - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का यह का यह कथन किन गीतों के संबंध में है?

(i) नवगीत

(ii) अनुगीत

(iii) लोकगीत

(iv) ओजगीत

उत्तर - (iii) लोकगीत

38. लोक साहित्य का संकलन एवं संरक्षण करके हम किन विशेषताओं को संरक्षित कर सकेंगे?

(i) पूर्वजों के आचार विचार को

(ii) पूर्वजों के व्रत त्योहार को

(iii) पूर्वजों के संस्कार को

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

39. लोक साहित्य हमें किससे जोड़ते हैं?

(i) हमारी विरासत और परम्परा से

(ii) व्यर्थधता और रुढियों से

(iii) दोनों से

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) हमारी विरासत और परम्परा से

40. लोक साहित्य के संकलन की आवश्यकता क्यों होती है?

(i) क्योंकि इसमें लोक ज्ञान का अक्षय कोष निहित रहता है

(ii) यह मात्र मनोरंजन का साधन होता है

(iii) यह हमें रूढ़ियों से आबद्ध रखता है

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (i) क्योंकि इसमें लोक ज्ञान का अक्षय कोष निहित रहता है।

41. लोकगीतों के संग्रह का प्रशंसनीय कार्य किसने किया?

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) पं. रामनरेश त्रिपाठी

42. भारतीय लोक साहित्य के संकलन, अध्ययन और प्रकाशन का कार्य किस संस्था द्वारा किया गया था?

(i) हिन्दी प्रचार परिषद

(ii) राजभाषा विभाग

(iii) काशी नागरी प्रचारिणी सभा

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) काशी नागरी प्रचारिणी सभा

43. लोक साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक हैं?

(i) कृष्ण देव उपाध्याय

(ii) डॉ. त्रिलोचन पांडेय

(iii) डॉ. गोविन्द चातक

(iv) डॉ. उदय नारायण तिवारी

उत्तर - (i) कृष्ण देव उपाध्याय

44. वर्तमान समाज में होते नैतिक मूल्यों के क्षरण से लोक साहित्य की भूमिका की स्थिति क्या होगी?

(i) लोक साहित्य की भूमिका का ह्रास होगा

(ii) लोक साहित्य की भूमिका में वृद्धि होगी

(iii) दोनों स्थितियाँ रहेंगीं

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) लोक साहित्य की भूमिका में वृद्धि होगी

45. लोक भाषाओं में जटिल से जटिल भावों को व्यक्त करने के लिए किस तरह के शब्दों का भंडार है ?

(i) कठिन

(ii) क्लिष्ट

(iii) सरल एवं सटीक

(iv) परिनिष्ठित

उत्तर - (iii) सरल एवं सटीक

46. लोक साहित्य के संवर्धन के लिए क्या क्या प्रयास किए जाने चाहिए?

(i) शोध केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए

(ii) शोधार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जानी चाहिए

(iii) लुप्तप्राय सम्पदा को व्यवस्थित किया जाना चाहिए

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर - (iv) उपर्युक्त सभी

47. लोक साहित्य के संकलन एवं संग्रहण से जुड़ी समस्या नहीं है ?

(i) प्राचीन परम्पराओं पर आधुनिकता का प्रभाव

(ii) श्रम साध्य कार्य

(iii) भाषा विषयक ज्ञान की कमी

(iv) संकलनकर्ता का लोगों द्वारा सहयोग किया जाना

उत्तर- (iv) संकलनकर्ता का लोगों द्वारा सहयोग किया जाना

48. लोक साहित्य, लोक भाषा की वस्तु होने के कारण किनके लिए बड़ा महत्वपूर्ण है ?

(i) कवियों के लिए

(ii) उपन्यासकारों के लिए

(iii) भाषा वैज्ञानिकों के लिए

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (iii) भाषा वैज्ञानिकों के लिए

49. यदि लोकसाहित्य का सम्यक संरक्षण और अनुशीलन किया जाए तो हमारा साहित्य होगा?

(i) निम्नतर

(ii) समृद्ध

(iii) ह्रासोन्मुख

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ii) समृद्ध

50. वह साहित्य जो जनता के कंठों में देश के सभी राज्यों , भाषाओं और छोटी - छोटी बोलियों के रूप में भरा हुआ ?

(i) लोक साहित्य

(ii) शिष्ट साहित्य

(iii) परिनिष्ठित साहित्य

(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (i) लोक साहित्य

51. 'लोक साहित्य जनता का साहित्य है' यह कथन है-

(i) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(ii) डॉ0 सत्येंद्र

(iii) डॉ0 उदय नारायण तिवारी

(iv) सुंदरलाल शर्मा

उत्तर- (i) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

52. लोकगीत गाये जाने की परम्परा है-

(i) केवल विशेष पर्वों पर

(ii) जन्म से लेकर मृत्यु तक

(iii) केवल विवाह के समय

(iv) केवल जन्म के समय

उत्तर- (ii) जन्म से लेकर मृत्यु तक

53. अथर्ववेद लोक संस्कृति का परिचायक है तो ऋग्वेद परिचायक है-

(i) शिष्ट संस्कृति का

(ii) सभ्यता का

(iii) मानव व्यवहार का

(iv) अर्थ का

उत्तर- (i) शिष्ट संस्कृति का

54. वैदिक गाथाओं के नमूने मिलते हैं-

(i) ईशावास्योपनिषद में

(ii) शतपथ ब्राह्मण में

(iii) किरातार्जुनीय में

(iv) अभिज्ञानशाकुंटलम में

उत्तर- (ii) शतपथ ब्राह्मण में

55. 'हितोपदेश' के लेखक हैं-

(i) विष्णुशर्मा

(ii) सोमदेव

(iii) कालिदास

(iv) नारायण पण्डित

उत्तर- (iv) नारायण पण्डित

56. बुंदेलखंड से निकलने वाली त्रैमासिक पत्रिका 'लोकवार्ता' के पहले सम्पादक थे-

(i) नर्मदाप्रसाद गुप्त

(ii) कृष्णानन्द गुप्त

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

(iv) हर प्रसाद शर्मा

उत्तर- (ii) कृष्णानन्द गुप्त

57. निम्नलिखित में से किस विद्वान ने कुरु प्रदेश के लोकगीतों का संग्रह 'आदि हिंदी के गीत और कहानियाँ' नाम से प्रकाशित किया?

(i) डॉ0 कृष्णचन्द्र शर्मा

(ii) पं0 रामनारायण

(iii) पं0 राहुल सांकृत्यायन

(iv) आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर- (iii) पं0 राहुल सांकृत्यायन

58. निम्नलिखित में से कौन- सी संविधान की आठवीं अनुसूची के अंतर्गत नहीं आती है?

(i) हिन्दी

(ii) अंग्रेजी

(iii) संस्कृत

(iv) बंगाली

उत्तर- (ii) अंग्रेजी

59. ' भोजपुरी पहेलियाँ' ग्रंथ का सम्पादन किया-

(i) भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ii) डॉ0 सत्यदेव ओझा

(iii) डॉ0 श्रीधर मिश्रा

(iv) डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद

उत्तर- (iii) डॉ0 श्रीधर मिश्रा

60. सावन में कौन-सा लोकगीत गया जाता है?

(i) कजली

(ii) आल्हा

(iii) फगुआ

(iv) बहुरा

उत्तर- (i) कजली

61. माड़ो गढ़ की लड़ाई का सम्बन्ध किस रचना से है?

(i) पद्मावत

(ii) बीसलदेव रासो

(iii) आल्हखण्ड

(iv) विनयपत्रिका

उत्तर- (iii) आल्हखण्ड

62. भिखारी ठाकुर का 'बिदेसिया' नाटक किस क्षेत्र में लोकप्रिय है?

(i) राजस्थानी क्षेत्र

(ii) अवधी क्षेत्र

(iii) ब्रज क्षेत्र

(iv) भोजपुरी क्षेत्र

उत्तर- (iv) भोजपुरी क्षेत्र

63. 'गरबा' कहाँ का लोकप्रिय नृत्य है?

(i) उत्तराखंड

(ii) उत्तरप्रदेश

(iii) गुजरात

(iv) राजस्थान

उत्तर- (iii) गुजरात

64. शास्त्रीय ग्रंथो में विवाह के प्रकार हैं-

(i) सात

(ii) आठ

(iii) नौ

(iv) दस

उत्तर- (ii) आठ

65. निम्नलिखित में से कौन- सा लोकगीत नही है?

(i) सोहर

(ii) कजली

(iii) बिदेसिया

(iv) फगुआ

उत्तर- (iii) बिदेसिया

66. आल्हखण्ड है-

(i) वीर रसात्मक

(ii) श्रृंगारपरक

(iii) कारुणिक

(iv) वीभत्स युक्त

उत्तर- (i) वीर रसात्मक

67. 'छंदशास्त्र' के प्रणेता हैं-

(i) आ0 भरतमुनि

(ii) आ0 पिंगल

(iii) आ0 दण्डी

(iv) आ0 क्षेमेन्द्र

उत्तर- (ii) आ0 पिंगल

68. 'सोहिनी और महीवाल' है-

(i) लोक नाट्य

(ii) लोक गीत

(iii) लोक गाथा

(iv) प्रकीर्ण साहित्य

उत्तर- (iii) लोक गाथा

69. प्रायः लोक गाथाएं होतीं है-

(i) प्रेम परक

(ii) वीर रसात्मक

(iii) रोमांचक

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

70. निम्नलिखित में से कौन-सी लोक कथाएं हैं?

(i) कथासरित्सागर

(ii) पंचतन्त्र

(iii) शुकसप्तति

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

71. निम्नलिखित में से कौन-सी लोक गाथा की विशेषता नही है-

(i) उद्देश्य हीनता

(ii) मंगल कामना की भावना

(iii) सुख और संयोग में कथाओं का अंत

(iv) वर्णन की स्वाभाविकता

उत्तर-(i) उद्देश्य हीनता

72. निम्नलिखित में से कौन लोकनाट्य नहीं है?

(i) माच

(ii) रामलीला

(iii) नल- दमयंती की कथा

(iv) ख्याल

उत्तर- (iii) नल- दमयंती की कथा

73. आदिकालीन साहित्य में किसने पहेलियाँ लिखीं हैं?

(i) अमीर खुसरो

(ii) सरहपा

(iii) गोरक्षनाथ

(iv) स्वयम्भू

उत्तर- (i) अमीर खुसरो

74. 'सूरदास खल कामरी चढ़ै न दूजौ रंग' लोकोक्ति का सही अर्थ है-

(i) मूर्ख कभी समझदार नहीं हो सकता

(ii) दुष्ट अपनी दुष्टता नहीं छोड़ सकता

(iii) साधु अपनी साधुता नहीं छोड़ता

(iv) काले कम्बल पर कभी रंग नही चढ़ता

उत्तर- (ii) दुष्ट अपनी दुष्टता नहीं छोड़ सकता

75. 'ढाक के तीन पात' लोकोक्ति का सही अर्थ है-

(i) स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होना

(ii) स्थिति का परिवर्तनशील होना

(iii) परिवर्तन के लिए तैयार होना

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (i) स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होना

76. 'काठ का उल्लू होना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए-

(i) धोखेबाज

(ii) निपट मूर्ख

(iii) अत्यंत सस्ता

(iv) अत्यन्त चालाक

उत्तर- (ii) निपट मूर्ख

77. 'ख्याली पुलाव पकाना' का अर्थ है-

(i) चापलूसी करना

(ii) व्यर्थ की कल्पनाएँ करना

(iii) काई बखेड़ा खड़ा करना

(iv) गुप्त योजना बनाना

उत्तर- (ii) व्यर्थ की कल्पनाएँ करना

78. 'ब्रज की लोक कहानियाँ' ग्रंथ के लेखक हैं

(i) डॉ0 रसज्ञ रंजन चतुर्वेदी

(ii) डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

(iii) डॉ0 सतेन्द्र

(iv) डॉ0 श्याम परमार

उत्तर- (iii) डॉ0 सतेन्द्र

79. 'मोहिनीअट्टम' कहाँ का लोक नृत्य है?

(i) महाराष्ट्र

(ii) केरल

(iii) उत्तराखंड

(iv) उत्तरप्रदेश

उत्तर- (ii) केरल

80. 'नौटंकी' में किस रस की प्रधानता रहती है?

(i) वीर रस

(ii) हास्य रस

(iii) करुण रस

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

81. कानपुर शैली की नौटंकी को कहा जाता है-

(i) स्वांग

(ii) तमाशा

(iii) ख्याल

(iv) माच

उत्तर- (ii) तमाशा

82. निम्नलिखित में से कौन बघेली की पहली कहानी मानी जाती है-

(i) ग्यारह वर्ष का समय

(ii) बूढ़ी काकी

(iii) कांटे की टक्कर

(iv) एक दीना गाँव में

उत्तर- (iii) कांटे की टक्कर

83. कानपुर में बोले जाने वाली बोली है-

(i) अवधी

(ii) ब्रज

(iii) भोजपुरी

(iv) कन्नौजी

उत्तर- (iv) कन्नौजी

84. ऋग्वेद में 'लोक' शब्द का प्रयोग किस रूप में किया गया है?

(i) जन के

(ii) संसार के

(iii) ग्रामीण के

(iv) शहर के

उत्तर- (i) जन के

85. 'एक थाल मोती से भरा सबके सिर पर औंधा धरा.... उक्त पहेली है-

(i) कबीरदास

(ii) अमीर खुसरो

(iii) विद्यापति

(iv) सूरदास

उत्तर- (ii) अमीर खुसरो

86. लोकोक्ति को उर्दू भाषा में कहा जाता है-

(i) जर्बुल मिस्ल

(ii) मिसाल

(iii) ज़बान

(iv) उपखान

उत्तर- (i)- जर्बुल मिस्ल

87. वह लोकगीत जो विशेष कार्य या श्रम करते हुए गाये जाते हैं, कहलाते हैं

(i) सोहनी गीत

(ii) पचरा गीत

(iii) रोपनी गीत

(iv) बिदेसिया गीत

उत्तर- (iii) रोपनी गीत

88. निम्नलिखित में से कौन-सा लोक साहित्य रूप भारत में अपनी मौखिक कहानी कहने की परम्परा के लिए जाना जाता है?

(i) ग़ज़लें

(ii) कीर्तन

(iii) दास्तानगोई

(iv) वचन

उत्तर- (iii) दास्तानगोई

89. निम्नलिखित में से कौन-सा लोक साहित्य रूप रहस्यवादी कवि कबीर से सम्बंधित है?

(i) वचन

(ii) बाउल गान

(iii) दोहा

(iv) ग़ज़लें

उत्तर- (iii) दोहा

90. निम्नलिखित में से कौन सा लोक साहित्य रूप तमिलनाडु से उत्पन्न हुआ है?

(i) बाउल गान

(ii) संगम काव्य

(iii) लावनी

(iv) दास्तानगोई

उत्तर- (ii) संगम काव्य

91. भिखारी ठाकुर द्वारा लिखित लोकप्रिय लोकनाट्य है-

(i) बिरहा

(ii) बिदेसिया

(iii) चैता

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (ii) बिदेसिया

92. ' लोक साहित्य जन सामान्य की सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।' उक्त परिभाषा है-

(i) डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर

(ii) डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय

(iii) डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

(iv) डॉ0 सतेन्द्र

उत्तर- (i) डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर

93. लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताएं हैं-

(i) मौखिक एवं जनभाषा में होना

(ii) अज्ञात रचनाकार

(iii) एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

94. दुःसाध नामक जाति किस लोक गीत को गाया करते हैं?

(i) कजली

(ii) चैता

(iii) पचरा

(iv) बिरहा

उत्तर- (iii) पचरा

95. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना पाणिनि की है?

(i) महाभाष्य

(ii) अष्टाध्यायी

(iii) किरातार्जुनीय

(iv) साहित्यदर्पण

उत्तर- (ii) अष्टाध्यायी

96. लोकोक्ति होती है-

(i) गेयात्मक

(ii) आकार में थोड़ा बड़ी

(iii) तुकांत रहित

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

97. 'ब्रजभाषा' का मूल केंद्र है-

(i) आगरा

(ii) कानपुर

(iii) लखनऊ

(iv) झाँसी

उत्तर- (i) आगरा

98. निम्नलिखित में से कौन ऋतु गीत है-

(i) चौमासा

(ii) कजली

(iii) बारहमासा

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (iv) उपर्युक्त सभी

99. निम्नलिखित में से कौन लोकगायिका हैं-

(i) महादेवी वर्मा

(ii) मालिनी अवस्थी

(iii) सुभद्राकुमारी चौहान

(iv) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (ii) मालिनी अवस्थी

100. 'अवसर का लाभ उठाना' अर्थ को प्रकट करने वाला मुहावरा है-

(i) बहती गंगा में हाथ धोना

(ii) मन चंगा तो कठौती में गंगा

(iii) घाट-घाट का पानी पीना

(iv) समय देखकर चलना

उत्तर- (i) बहती गंगा में हाथ धोना